

বিষয়ঃ- অসমৰ জাতীয় উৎসৱ বিহু



গুৱাহাটী বিশ্ববিদ্যালয়ৰ অসমীয়া প্ৰধান (MAJOR) ৰ স্নাতক ষষ্ঠ যান্সাসিকৰ ৬০৫৬ কাকতৰ পৰিপূৰ্ত্তিৰ বাবে প্ৰদত্ত ক্ষুদ্ৰ গৱেষনা পত্ৰ

নাম ঃ- ধৰিত্ৰী শীল শৰ্মা শ্ৰেণী ঃ- স্নাতক ষষ্ঠ ষান্সাসিক বিষয় ঃ- অসমীয়া (মেজৰ) ৰোল নং ঃ- ইউ এ ২১১-১০০-০০৪৭

GOALPARA, ASSAM PIN - 783126



From,

Mr. Saidur Rahman, M.A. M.Phil. Head, Department of Assamese Habraghat Mahavidyala, Krishnai

TO WHOM IT MAY CONCERN

This is to certify that Sri Dharitree Sill Sarma of BA 6th semester Honours(CBCS) in Assamese Roll No.UA-211-100-0047 of the session 2023-35 has done. Her field study under the guidance of the Department of Assamese, Habraghat Mahavidyalaya, Krishnai as a part of the Honours course and has submitted the report to the undersigned in due time.

The report has been found satisfactory.

I wish her success in life.

Head

Department of Assamese Habraghat Mahavidyalaya Krishnai

ााणिन

उर्वाराष्ट्री क्रिश्चित्राम्हां व्यस्त्राह्म श्रायितालग्रं व्यस्त्रश्रीम यिवायय समाप व्यक्तार Honours जाउ-जारी अकलक यात अकल प्यश्चिल यहिष्य यिष्ठिष स्क्राक याविष्ट । रस्ते वादि वर्ड विषयेष अथि स्थादि वाहि यहावितास्य स्राठक वर्ष वाबाह्मिक व जान-जानीय वरेकाक ल्याव यात खिलालीय व्यवीलयः - व्यवीषिका ष्ट्रियधान दिल्य मानाक रामिष्टि एड्डिस् - मार्थन , (लाकामा , त्लाक अविद्यान कला, (लाक आर्थि), (लाक खाया जापिक मिटिका द्या वर्ष विषय वर्ष वर्ष वर्ष याचिय तालिय।

वाही वाराव वाहीत द्याति वाहात व्याताविष्ण्या ।

वाही विद्याम्य क्याविम विष्यम् विषयम् विषयम्यम् विषयम् विषयम्यम् विषयम् विषयम्यम् विषयम् विषयम्यम् विषयम् विषयम् विषयम् विषयम् विषयम् विषयम् विषयम् विषयम् विषयम

रुष्ठम् श्रीकाव

ক্তিমশ্রীপ ৪৮৭০ হ্রেশা দিব্রংশ সহ্রম হর আধ্রিণ্ণ।
ক্রিল প্রাণি ক্রিল সাহার্য সহার্যাপ্রমান্তর
ক্রিলার সারা প্রভারর সার্ভারির সারাত্র্যাপ্রমান্তর
ক্রিলার পরা প্রান্তর সার্ভারির সারাত্র্যাপ্রমান্তর
ক্রিলার পরা প্রান্তর সার্ভারির সারাত্র্যাপ্রমান্তর
ক্রিলার ব্রান্তর সার্ভারির সারাত্র্যাপ্রমান্তর
ক্রিলার ব্রান্তর সার্ভারির সারাত্র্যাপ্রমান্তর
ক্রিলার ক্রিলার সারাত্র্যাপ্রমান্তর
ক্রিলার ক্রিলার সার্ভারির সারাত্র্যাপ্রমান্তর
ক্রিলার ক্রিলার সার্ভারির সার্ভার সার্ভারির সার্ভার সার্ভারির সার্ভার সার্ভারির সার্ভার সার্ভারির সার্ভার সার্ভারির সার্ভারির সার্ভারির সার্ভারির সার্ভারির সার্ভারির সার্ভার সার্ভারির সার্ভার স

श्रिति व्ययश्रीम यिवासय अस्पात कि। ३४/३४० शिक्षार्थ व्यास्था भीति एउटिव प्रज्ञाय हात प्रमित् अयि शहरीय इक एश्रीषु हात लाक विद्यालिका यथकी बाद्या याउँपिए व्याक किलाव केशाव (यवपात्र प्रभटन लिका किर्देश यार्टिल हमाय । विश्विक कार्य विश्वष्टिक व्यविद्या

र्रापि रिष्यिष्ठि अर्थे प्रकार राज लिशि दिण्याक दिशाक स्टाति इति व्याभवाई कि दुशाव स्वरुपाि सकाम दुसर अवन रोत - लयितिका क्रीत कार्स, कृष्टिका ठकवि , विषया वाय , व्यवाश्चिका ताद्य । व्यव व्याक याद्र परि सकलाव विष्ठा द्याव वासरी सकल े केशक दादास काश्वीक गर विकार নেই বাবে ইইতক আোক ফালব পাৰা विवादार क्राहिएं। न्य मृत्य हार कार िषिश्यित जायाक् यहिष्ता।

अही भा त

यशप्रिकः ३ - ३ ए

2016 Ezz 0 36-24

आहा चिक् ः 25 - 80

<u>L</u>Zab निक्न ब्रासम्भव खाडीय एडस्य । ब्रासम्ब न्याय कार्या कार्या कार्या हार् काम्ब्रिया जान्य ह्याता स्तार द्यात्याहर दमारिक नियम या द्रेयाव सासम्मर्भक द्रिश्मव ल्याया प्रका प्राप्ता ग्राप्ता प्रकार हैयिना है। इस ने स्ताह , यर्न निर्मार्थ अकि आकि दमाद्वा वकावत निष्याण्य क्रीस्व अवश वक एडसर् । त्यक अंचि : पक क्रिका । हिस्टिक एडअठ् । क्यि एडअठ् घार्टक विनिषे : दिशाल्य ज्यायक्तिय ह्याल्य ह्याल्य याएँगी यावत व्याक प्रतान प्रभावाव द्वात्व । व्यसम्बर्ध विविद्य नियम लामन कका द्या।

निर्म कितिको। यम – यशास विश्व या यहाँमी निर्म , स्वास निर्म या यहाँमी निर्म , स्वास निर्म या विश्व ।

वधामित्र या च धामी चिन्ट -य'रात्र विश्र में एव आक्र का का का वा वह देश य, डाम्य हों सिष्टी प्य स्था साह राज का अध क्या ग्रां। यह खिर्फ त्रिविरिक रिवि अक्रोग दिक नासका का देशका (अया इत्त - अक चिन्र , ज्यादार चिन्र , दर्शासारे चित्र, छांज्य चित्र, साएलय चित्र, ड्रीय्री या दहला चित्र, दहना चित्र। १२ आकी चिश्वक जन्मीयाव ज्ञानिवश्च द्वील काश श्या

Star Par

एवर यहमाबुर रिया व्ययहि विरुव स्राय मिनट्राक अक निर्ण आयम कहा द्या अवद्याविष - व (म का अभुतं। समाति समाति स्पर्ण, व्या- अभी, व्या लान कम र्य। उत्राय भक्त निय पिना विति भूषा अखन आय- यानवीदिव दर्तादारे अखीवाव ट्य-मैंडी काम्या त्यभट्य त्य ड्याई एत्या या। आ र्यवाव जाअह मारे, त्व दिना, यामी, 18 वड छाउँ छार्गी का मार्काका, विकार 'मिट छाउठ मार विद्या भार वाज्य वाज्य वाज् या. उत्रव अक वालव अक छ्टे श्री यव अक, दीय आप्प त्याज्ञ अकव क्रीकृति यण्या यथा द्या। सम्यां हार्ये स्थि व्यश्व लाहि साहित्र हाति । हाति । आहित्र नाहित्याह

ज्यानुष्य निवय



दर्भां आहे चिश्

बढानी चिण्य कृषिम निज्ञा ह्यांसारे चिण्य भानन कथा २ग्। टर्सरे किता ए अठानक छि कित यह्य एव गए अकलाए अश्या कथा २ग्। नासप्रक अवारे काश्यांचे तास कीर्यन कथा २ग्।

 (जिमिक लायम करिं। त्रिक कामक करिं। हांकशाय उत्पात कामक अपन्य क्रिका हांकशाय उत्पात कामक अपन्य क्रिका क्रिका कामक अपन्य व्याचित्र क्रिका कामक अपन्य कामक अपनित्य का



ट्रियंटी या सीयंटी निक

तिकाव मकाम्या (स्थानी या सीम्बी विक लाम त कथा द्या । येने रिकात पिया क्यांत्र स्थाय स्वांत्र । स्वांत्र स्वांत्र स्थाय स्वांत्र । स्वांत्र स्वांत्र स्वांत्र स्वांत्र । स्वांत्र स्वांत्र स्वांत्र स्वांत्र । स्वांत्र स्वांत्र स्वांत्र स्वांत्र स्वांत्र

लाक्षाव वाक भुने न्यलास वर्ग म्बा भाषण एका उरं। ०५ न्यक कापातं त्रात प्रका उरं। ०५ न्यक कापातं

मुण्ड क्यांक (सावान प्रयोश कार्षि।

विशान विश्व व्यात यक विल्हाष्ट्र रेशिक श्वित (आया। सक-यव सक (आया) विभीत विश्व व्यात व्यात व्यात स्वाति श्वित श्वित क्षित विश्व यूक्ति व्याते व्याते

(कार्ष) यहने किया यहने हैं देश कार्ष

आंउठ (एका - आहर ज्याता ए निक्सित निका तीरि - आर्ट दूर कृति। य, इ। स्यात त्यात्व स्थात्व स्थाव (यावा इमे ।

यांदाल (जाल अअला हिनार्टी यन एडना

करंगता अपि छेड़ित अव आरि आर्थि उन्हें जू खात तारा क्वारेटि वीद्य वस्तात जाती व्रीका वसीटत

MAN 12 F2000 1

अर्थित हाय नाइ ति लाय स्था हा कि ।

स्रिकित्त अअश्चीयात दिश्वीत् दिश्वीत् निमवारे रेल निमवारे अवस्ति देश भाका वाद्याक रिल्ला एक्टिय ताझ येथा । व्यस्त्रीया व्यक्ति আথবা ক্যান্ত মাথবা মাথব ক্রিয়াত আহাট यहार बाजाव ऋतं क्राधावह यक खायो याश या शहा जिया जाउनाक निर्ण निक्या प्रविधाव व स्रम्गाल्य लाक लाह्य हमायव स्थायं स्थायं पियाव आद्या निकारिय ब्याअश्वर महिन महिन ल्यात्राष्ट्र त्याद्या हिन्द्र हिता है। क्रीलेंग सुर्भाष्ट क्यांच , क्यांच हकं हा युवास्त्र जायः अप्ट-यनव न कुंचिलावि त्रिन्त्र क्षात क्षात्र हानमः

श्रका - आव्यत (एउ० व्यात व्हा व्यावस्व यथाना याय ज्याक वस्य सक्षव आवल नवून प्राण अकि एत्यारे (जाता अविनर्भाण यंशिय विज्ञ ज्याहमझन हार्छ। ब्राह्मि लाक्षीय क्तील खान्टि जमद्द उनकलेख चित्रा टेप्टलार्ट द्यां द्वांकी आलय दस्ट्रे किवणाविकि क्विकि अर्थेव काम ' अश्वाद्य दिए दिल्ला ट्राप्ट्रेंग अंभेगा। अक्षिति (पश आण्डान व्योण्डान (१०) व्यावाल - युद्धा - वीत्वारे - हर्युं आर प्रातारी ताक िण्य भीष्ठ किला किला; निष्ठा देणार व्यक्ताराटे वाक आयर विषठी दिल्लान दिएस लुमारे भारे अकलादिः निस्मास्य निरम्यान,

दुर दृष्टि अकट्या। . अवव जाया- (त्यक्र अवशद क्राण्याक्रीय

व्यास ट्य ब्यास्य राजीह आठ किए ए द्या व्यवाया में त्यक्षि आद्याव निश्यात ऐडिसहा सीमाल कीते ऐला आले रिवर स्माल ब्याउपमें स्मिया दिन्नमेरेक (आववव कथा। रिकन्न उर्टे यन्त्रा हामहास्मिकान किवर নোহাৰোঁ যে এই বিষ্যাত পৰিবৰ্ত্তনৰ কালছোহাত विद्योरित काल्या उल्येल जीत्र आहिए अलित অভীত্র পত্র তলর বিশ্ব আছি (2(2/ उपछे दिनिलि । दास दास आया मर्रेमिये बुक्ति दक्स ह्याया (प्रक्री याया।

अअअव आआसिक नांभितिक प्रावेरे, विश् एडस्वा स्टिमायीम लाक लगाम् सर्द्वाद्व अश्मिन्ना जगहि। यिग्य विर्वात्र झाज्राके छाअकीम उत्प्रकारिक देड पाछि व्याप क्रिय किल्या द्याहरी व्यापि हारिक विकिक अलिक किर्विक ल'यहल किरकाव अवार् , द्यां किरलायाव समग्र ज्यायम काबुक्ति सिर्वे अभिनेता सल लाउँ वक अस्टिल अर्विव्हर्ण श्योद्ध ।

विधाली विश् वडाइ कालव

यदामी विश्व जीवनय देडमंद वृत्ति टकार्। यह रेडसर्ड दएका आहर व गाडि चिन्न आरड चिन्न आरहाड विक्रव स्टीरंप स्टिश विश्व प्रियोग्रं। कृषि अरुकादिव व्यावरूपिक अरुप यहन रीवनव देशम्य किल ज्याविष्ठ । स्थायनव लंगा द्यादि आदि रेट्रेयणाय अक्षाद्य व्याप्ति चील ज्याचेत यिन्यास कहा। दशक्ति कावर क्रवाव कार् भानन कहा संख्रांनी विश्व क्षित অহাত ওটঃ (ল্লাত সক্রপ ত্রোটে।

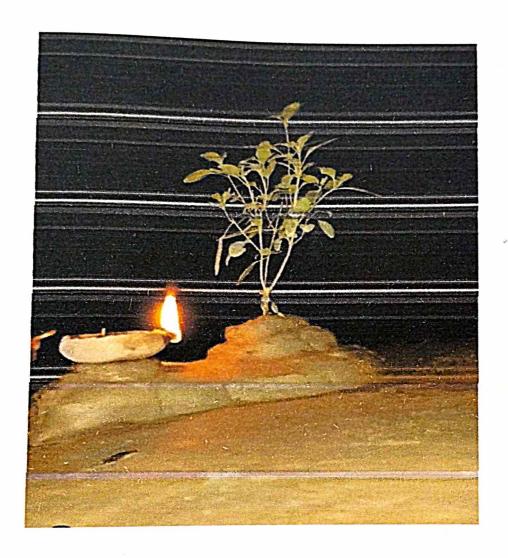
सार्व। स्वास्त स्वास्त कारक मुक्त सिल्य स्वास्त स्वास्त स्वास्त स्वास्त स्वास सिल्य सिल्य स्वास सिल्य स्वास सिल्य स्वास सिल्य स्वास सिल्य स

आजव पित्रव विश्व संस्माउ हिल्का-आउव सित्र किति एव साठि ताि आरे जाता काविष्ट्रित । येरे कात हिल्लाव वरिश्रेशव देतार आवा हेशस्व अकाम्मे रिक्ट जार्या आरेपित यपिश वैश्ले जावा कृषिश समानुवात योख दिल्ला जाएए।



लायन कवा उग्न । यम याह यहास विज्ञ

यगि विषय या कलाली विषय वासम्बा व्यक्तियां दिहास विक्रिक्ति विक्रि हान व्यात्व व्याक काहि आहि । व्याति व्याति व्याति अश्कानिक सिना काि जिल्ह भानन कला वर्ड संशायि ह्यायि हाय लाग्न टिश्य २१ व्याय भामि दान म्लायहित यदम्ह सम्मा भारक। हाहावं-वानावेत्व ह्या २५ सम्बाह द्वाराष्ट्रित १६० यात कार्डि विकास कहाती विका युनि अ द्वाया २य। ७२ विश्व व्यासभीया सात्र घाव घाव व्रमंत्रीय भूति यहे अर्थित जाव अविं जिलि क्रिकारे वाडा । द्राष्ट



कार्कि विकार स्ट्राक्ति ।

ब्रिमिष व्ययदि हायव दिमालायय व्याप्ति उठारिय वाक दमि लगावि असिष स्थाप व्यक्षाता कित्र कारिने जापीयवेल मिक स्टलाया। दकार्वा कादि। किर्निक व्यायक यिन्दिंग व्यक्तिका रम्। यण्डाली यिकट हायह-साल्य ब्याक दलात-प्रापृत्र द्विष्टिक नाभाद्वा किंतु काषानी युनित्न अडे किरिट विषयित्रीत पश्चित्र। दिश्चीर्य व्याध्य-- ज्यत्रीषाद्वाव व्यव कावड कावड वर्षे कावि विश्व অবতর দেৱে স্পিন্স সমাহিত বুলি পণা কম क्षा अर्गित कार्येश कार्याम व्याम राष्ट्र यार्येय व्यवय व्यायाष्ट्रिकन्य दक्ष्मिविष लापिएक उमं वीस यिनास यथा द्या।

कार् दिल स्तिक सेवितं व्यापित रिड्सर। व्याहित्व (कारा पिनदि) व्यास्ताव दलाक समार् ल्या हमायन देहस्य विस्ताल स्वस्तिक प्रिक ट्यालाया जित्र ज्यान काला कार्य । क्रिल क्यांकि ेर्ट यिन्छ हेम कि साधार बाह्र बाह्र बाह्र व्यक्तियं कि - अर्द्धित । व्यस्त्रीया द्यक्तियंपक कार्षि विश्व व्यक्तिष हलाकाकाव अभूदिश भ्रक्तां भ्रायात्र ज्यान कावितः। कृषि कार किरथह विज्ञान वीक हैं। कार कीर ट्डांभानी सिन्द्र प्रावेर काक दिन्द्रव एसिक सार्वि (यक्ति। विकिश कृषि सन्तिग्रं विष्यात्र - रिश्वीरा ज्या जार्रेशिय रिष्यात्र यमि विश्व दम्पि निविद्ध लाख लाउँ विश्व ।

। हन्य ह्यान हाडि महाम्ह , काराव राज्य । ज्ञावव धाठा आफि द्यालाष्ट्र श्वाव खिलाडा--दिव दुर्गाव्यं एक अगाव स्थव हुई बर्ज हा व कि व व्यव्या (चेंपार, अपित स्त्राग अदिव एवं ल एविव, एक्ष्मे काम्लुस् हुए । क्रमी ह्याबर्ग्न हपड्म द्रिक्टिंगिक काचल प्रविद्य इसे । कार्युष रें येए 'स्रापन्नि यास्य उमं १विय स्थांत अत्राव तहकारी कीर-अठश्या देश्यां द्वि र्ग, रेलाक-व्यव्या, म्यार् - किविकारि, तिस्रित -वसूरव नाम्या जाकृष्टिक छेलाउर्डि संस्था तिक रूनाम देश असा ध्रमिन सम्म एराव या ए क्ष्यकान साहित ह्यादार्व काव यात दलक्षिक सर्वाडा इया

কান্সারব কিরমানার। বারে বিপ্রি – বিপ্রান সালন

विविध नियस्मित भाजन किन्न विविध नियस्ति भाजन कार्यिन विविध नियस्ति भाजन कार्यिन विविधित कार्य कार कार्य कार

एकि उन्हाउ का । जाहित कारिए याद्राम जाती, प्रातिक माद्रा उत्तारे वाती। कासाय सुवक्का जात स्थाप सामाण मून बिर्ट जारि प्रदेश युव्याव हेर्ष ट्यांक्यिक कामा उक्काव ध्रीत साविद्रा।

-काछि विक द्रामाद्भी लिखिय कास्त्रीया स्व-দুবাব , জানি - পদৃনি , পবিষ্ঠাব - পবিচন্ত্র করে। हायत एम्का एक्वार स्वाय यात ग्राम । द्याय-विशास माछ कारि विश्व फिला द्वाव - प्र्याव, (ए।०।ज - अर्थे था छाडा कि आफुट्युड कासीव विद्या प्रमास्य कार्षा हिर्देश वाहिमारीहरू परिविध व्याधिया द्या एयाएए व्यक्ति क्यकि विस्त विस्त कासन यी इग्र। POE APA OBIAS BAIDO BAIDIOS ग्राहित किय वृत्ति व्याप्ती - दहि प्राणत कर्व। यि स्थान हामि हासि कारिय कारिय कारिय यन्त्रव ज्यात्र । सिक्षमा प्रे व्यक्ती - द्विति मिकिंड ज्लंब ऐस्मिवि द्रभाँआरे घाव, एँकाल घाव, व्यविति-Maria, द्वांकी आत, ट्याशित, आहा टकोठा, शैर-लामाय क्याल वास्त्राहम् हालाहम हिल्लाल

21/

मिक खुटलायाव हिल्लिश दिन्त कार्याठ শ্রাত্রি প্রাক্ত ক্যাক্তি ক্যান্তি হয়। नामार हामा ह्याहि हाम्हिल हार हारा व्यक्तिता प्राप्त या केटिएवर यक्त याव्हार कार्ष । लावाषु ज्याव राय शर् काराव थियंस । यद्भी वाशिय भिविद्व तारे यूनि एएए। जाक विद्वि ट्याकव हाबह व्याकाय इंग्रं यहा - यह इंग्रं। सिद्धा यवव अंत अधिका अवाकीण शावन काँ हिल अल व्यक्त यायं। विविश्य मध्या व्यक्ता व्यक्ता क्रमें आवित व्यास प्रविद्ध ह्यां न अग्रायव व्याद्री दस्या लय, जारे लिंडासीक ज्रारोत जारावण प्रमार ह्यान - हाम करन गुम्मा । द्राक्र विवादव ।

सम्मिद्रा टडार्वाव प्रदेश प्राचुन ठावन डिंग यि प्रदेश कर्षेष्ट उधारक । ज्ञास्य एपाँप लाइ स्थाप कारित कार्या कार्याव कार्याव कार्याव गमना यह । एँयान घाउँ । किए प्रमित्र विंच िक्ता कार्या कार्या विद्याल विद्याल विद्या आवीत्राष्ट्र जारिय क्राकि स्चलार लिस्सी बगरेरेल यूनि टेफ्य कछ। लड्डी एप्टीव अबुद्धि गाद्व 1 होयर एकार एडर्वि उट्ट का छक् हो माला र उलप्रव लिंग्डी ज्यार अथ (जार्वारे वृत्तिय यात्वरे ज्याम हिक प्रकार्ण के कार्य स्थाप म्याय मुद्रा, राकी स्थान, रभामार विकार, पश्चि वार्म आदि हाकि इन्द्रिताया २३। बार अवस्रित्र पियंक वृत्ति अण दकीगढ विजयां आदिव अपीय द्यातावा थ्य। उन्हे जिला बार्की भाषा शिकाव कवि

व्यक्तिश्री काराव याद श्रेच्या यादा बला ग्री। ट्यंड पिया टकािंडाक एक - एकवारी, रामा डास्ड चीर देए हेर सामित्र मिर्डि की कासवेर उदा कार छाप ट्यायत व्यक्ति १५८ मार्थ व्यक्ति । वह यादि यिन्य अविद्या अभावि हर्मा (अविद्युक व्याकान यह ज्यारा। आयाका यविव (आरवा १२(ता IEITE WEEK THEIR PROPERTOR PIKING याया यहा व्याक मायित व्यावार प्राय कराया। टकाि विश्व जारारे हेत इन तावडा व्याय देशहीं व्यवैद्धायता राम विषयी वयव राष्ट्रील। जार्रेगानिय मीि-नियंशिव ब्यारेग्य अव्योगन सार - असाप्य भवारे नियपन कवि व्यक्ष (परीव वास (यारा र्या। रेय-हेवाव मुमिन - स्यास या राजार अभिष्ठ भारक। द्वाक - वैरिष्ठिं ग्रियास्य क्षियां ल्याकाश- य ग्रि अंग्री ।

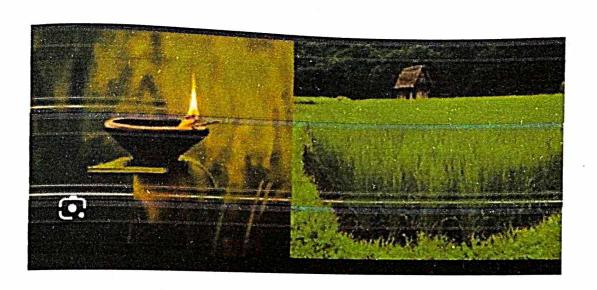
काछि विश्व कर्न रेक्सपाना - अस्स कुलडी अस्य ट्राव्यक समानितानित्र योवद्याव सायद करीनार। जिक्नमार्ग एए गाए छाड़िक विखादन छलाडी अण्य देलाकारी रिष्ट्रिय येलि सीकृष्टि ज्याल कवा उन्ह जाअ(6) कियाति व्याक वेषकाि युक्ति अभा किर्व व्याध्यातिक विकव सम्मा कला यहत किति । जिस व्राची व्राव गरिष क्रमारे जानकारिकारिक द्रालकार (अ(येट कारि भारति भारति भारति । बाराय, न्याउप, लाप व्याक राति ज्यायन उषि आरंप लाकरेट गांदेक। वर्ड अयिव पिनिएए यिया एसवान सार भाग

व्याक ल्यपी (एवं - ह्यपी आधवद्य व्याव द्रताला अर्ग क्रिकीर का व्यक्ति वारित वादि। ८म८ग्रंट यह काहि विश्व रियाव अबार हामहा हिंद्या - मिंत हिंदी आखि ज्यार वाक कुन्न हिमा सन्न या। वर काहि िक्व पिताव लगाई सामा कारि मार्थ विषया व्यास्त्रीय वार्ट त्याया वर्वाव किविया द्वावियक सकले युवी र्म ल्याक जाम याग्न याद द्यायाव अध्या कार्या कार्या । प्यक्त प्रिया व्ययम्भीया बायक

वित आहमा किया हार किया है। अस्ति कार्ट हारिश अभिका ज्याक क्रामिक क्रमिक क्रमिक क्रमिक क्रमिक अथ-अस्मिक ज्याक क्रमिक क्रमिक क्रमिक

क्रिक कार्ड विश्व कार्य किविशाहादी क्यासिट वाहार विद्याति अवस्त्रवा व्यक्तित र्य ज्यापि अकलि योक तिर्वाद तिरिष्ठ के व्याप्त । काविय एपह ह्वाट्स ट्याहियकव ज्याताहिक अर्था ३ ट्याम्पीय कवि ट्वाला । यनि सामित्रक छार्षा सामुख ताभादक। करोतिष्ठ , क्राक्र कार्य निष्ठा व्यासिक 3000 MG 2667 27 1

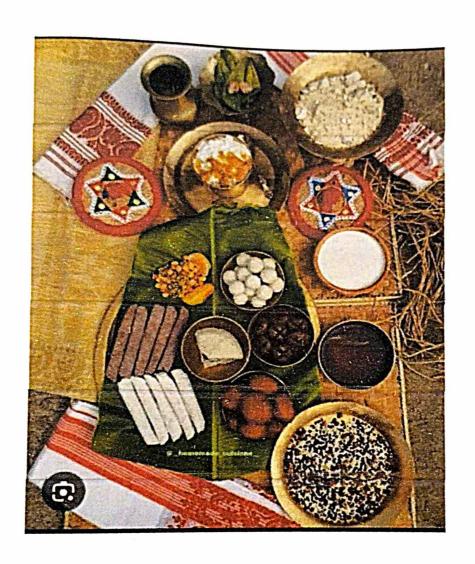
- ९२६९ अंग्रिश इम्राच्या वासुव्ये सार्वेडप अप अद्यश्ची लाक प्रियंवेब कषि बाह्यवृध्य याहि यिक्ट जार जार विश्व विश्व विश्व सकाल - यर्वेष्ट्रीत्न व्यादिन । कामा सुवद्या कित कार्यि हमारे के में के कारिया कारिया कारिया कारिया कार्य विक्रव आब्कुिक मा । सार्वाय सीय्वा काि विश्व अवक्षवारे जयभ्रीया अस्तर् धनव लिका पाछि अविक्रा कार्र एक्ष उरे चिन्ने सिक् सिंदि क्रि जारि जिल्ला ह्या । मि ब्यासाव सामापिक सार्क्रिक वीवतक शस्त्र कवि कृतिहरू।



ক্রাভি বিহুত প্রমারত এপচ্ছি চাক্তি

द्वाधा विक् या द्वांत्राली विक्

भूर- शाह्य अल्याबिक पिता (बाआसी विक् आयुर कवा ठ्या। यह यक दिसि तिय लायुर कवा द्या। भेराट क्यांन द्यात भार विल व्यापि न्त्रा ह्याहे स्राविद्ध ह्वाल हवाद्या वर्ड लाइक द्राप्त कीप्ट) म्याकार कार्यक ट्यांसर रेलिनीरे बार्ड वार्व जरे विन्र (लाजाती) चिन्र यात जिन्न । यह सम्बंध हमी - एश्रीया अकलादि घवड प्रमि दीत-नाटन बार्यल शादक। सिर्वे वार्व वर्षे विकृष्ठ (द्यावाव 30190 दिवरि अक्षे प्रिया रेगे। यह विकित थांक, दिना, तीला धनका किनी, लाद, जार जीप जावश्व द्याव द्याव क्यांक जाव।



(हाइनामी शिक्टि दिसाईन दिस्य

खासा द्या । तुर अयात व्याक्ष्य अवय अवस्थित भारा विकास स्थात के अया स्थाति वर्ड अवस्थित भारा विकास से आस्था व्याकस्थ से स्थाति वर्ड से स्थाति

द्याशियं द्रमण्य प्राप्ति क्रमण्या कार्याति क्रमण्या प्राप्ति क्रमण्या कार्याति क्रमण्या क्रमण्या कार्यात्व क्रमण्या क्रमण्या क्रमण्या क्रमण्या क्रमण्या क्रमण्या क्रमण्या क्रमण्या क्रमण्या क्रमण्यात्व क्रमण्यात्

ब्राघ विश्व जाअपिता वाि अकाला विद्राप्त । होक क्रांचार परकार्य स्वाया स्थापन सकलाय जिल देखार्डीया क लिला घट अपि जाए वाकि (दास-हाठ भाग्न देकका BB123 ट्रम्सर हाडा एक । छान निकाल थवाह उर्ते। अशिवज्ञ क्यव-यवादिव अपरा रिल्याहाबन सुहा- जर्र समाध इग्रं। यिक्टे क्रिं 1 छाक प्राष्ट्रिकी कार मार्किक छालाभाकिक ग्रहारि साध विश्व बामितात अवारे लाडावि क्यांद्रम (एक)-एकभियं डाट दुव्याय पिए। द्यादि वाया (ब्लाहाय अव्हार । दुश्य, कत्रभण् यार्थं व्यापिए विश्विष्ठं प्रशेष्ट्र वाध्व द्वार विकान व्यक्ति विकार व्यक्ति

द्वकाव वद्या अभाद्य अभाद्य आये। ल्यापडारि साध विद्व अब लुदा सक वव सकत्माद वक अर्थन अपरिव स्थालिक सर्वीता श्चिति इस । ये स्मिति हे काशिक काला लिश दिन्यलाल ज्यास्य दिवाया १२१ । भ्यार-यात्र , जिला - जाताय रतवपारिय। वाव लाज्य व्याप्टर प्रकालिक व्याप एतव जाकीर्यापित अकला विकाल हरा वाटि क्यास क्यानिक सायाव वादि। भाष्ट्र विश्व अभ्रम्भ मिना व्याप्त (व्याञ्चालि विक रम्।

त्लालाली विक देशक वहन विस् एडसर याक ाष्ट्रास्य एकट हमीड विस्थित हाराका स्थाप नेक्ट्रा या वाय जागर्व अवा वासमाजा हामान क्षेत्रकी ह्याकारी प्रकाल विकास श्वरि या ज्या हार्य त्राहित अञ्चामा आपा आवाकी (यदा व्याक, विका, विका, रेप कापि अञ्चढ कवाढ गास है र लक्षा MAILE MADIE ESDEM EDITION EDITION क्रियार्टि हार्ट्य हार्टिश्च हार्टिश्च उकार जाल्य (एमा घर काक ट्रमेल जारि यतायां याद्य ६३ लखा देखका वादि घढि उनकाला जापमा विकल्ला किलि यवा दिलावव दिएवढ ध्याप

्ट्राक्त कृष्णि महा। देककार विगरिक्या e स्टाइ इनक्रादिश स्थित स्टाइ सकत्पाटन समसार्वे वाष्ट्रियारे द्यावकाति सा-आ हें अधिकाव न्यानी वाकावर हार्याचा है यमार् (भारत क्याक (द्याहाव्य लाहि। इज्ञाप्य समात्व स्प्राप्त एपादक बाजकात रम जादि-वर्म - यद सिर्विका स्म। लपेल्य उम् (त्रथ साहा यिक साङ्ग्रीटिइटि नुभवा अध्यायवा विमालिकीया भूकित कार्डिट वाताकी क्रांबिक हिला घर क्याय। विक्रियरकारि अञ्चिद्पय्नाव मानिकन , जाउमान , चि , िल, जार्, हारेल, तायु- लिही लापि



जारा विश्व ट्यप्ति

अवा स्मुडिट अश्चिर सके या । या स्मुडिट अश्चिर अश्चिर व्याच्य का व्याच्य सम्मुडिट व्याच्य का व्याच्य सम्मुडिट व्याच्य व्याच्य सम्मुडिट व्याच सम्मुड व्याच सम्मुडिट व्याच सम्मुडिट व्याच सम्मुडिट व्याच सम्मुडिट व्याच सम्मुड व्याच सम्मुड

विक्रकाठ आह श्वा अवश्वात्र विक्रकाठ प्रकारी विक्रकाठ काणिक अवश्वात क्षात्र काणिक विक्रकाठ काणिक व

हान - विवयन यहि जात शिक्षा हिता हाता ।

ज्यात शाह (पाड्यारीक ज्याभिताती विक्रका देपप्राण्य काम यह । देककाव तिकार यद्म- या क्रुंची ज्या ज्या(आद्याव लग्ड लाज्यास ज्यातंत्त्व (शाया य्या (लाल-लाज शायि (शाया य्वकसकत्त्व भाव्य क्यात्र्व यात्रीय व्यवा श्रावि, क्यांक-आक्रित, यहकुषा - व्याव, देव्यक्षा - द्यांका,

क्रिक नामा भारा विकंक (कामानी क्रमणे) एकाव भक्ता क्रमश्रीया हे घाव घाव भिक्त अभव क्रमणात, लिका-लाना क्रिया नाम क्रमणात, लिका-लाना

वर्ड दुढेशार्विश सिकास लिपि। व्हिल वित्य रिकी क्याक किल रिकी। जिल्ली क्षिण्ड हार्ड हिल्ली लिए। हिला लिए। हिला लिए। जुड़ी किना, एक किना हिन्ता है। जिल किना , किना नापु, वाकिकन्य लाषु, यया विका जापि-३ यिपाद्य ठ्यं। त्या शत्य भारत्य (काश्राय मिल, किया, आंतर, भूरी, जारिय, मुख ठाएल , क्यांहिं हेर्गिय स्ताभात विश्व विश्वया विश्वित ए यात दिखारें ए, हिलाए हे महाराद भी विष्ट , ये रिष्ट व्यक्तिया व्याल्यायं या या उद्या इयं।

उद्यो जारिक जाराजीगाव आहा यिक्त तेग्रीठंगा। किले उँचात स्मिटिक व्यक्तित जाता सिद्धि है बाहि बार्ष वर् लावन्न्या। जादा विर्व पिनारे व्यविष्ठ देशिक चिरिट्स एमल - धिराली; वर-वर्षेत्र । यानी युंदा, उपर युंदा, युक्ता युंदर, यूलयूलि युंदर, ज्वारे मूँख लगामि लग्नीकिल डिलिम यर हावय वाकिक ।

नीहार्टी

यराष्ट्र विण्, काहि चिण्, आहा चिण् तर् दिन् दिनिए। जाञाव वासबीमा यिलिति दुशिष्टिंग्य स्पर्णेष प्राण्य याव। वर विन्यु क्रिया लड्डा व्हिएिछ। विश्व व्ययमञ्जूष अकला व्यास्त्राम्य स्वायम्य व्यविक। विज्यव स्किलिया व्यस्मयोग साप्रक स्पिट-हिश्च-लाया निर्विकास यकातारक यक हमारे किर्व वाडिए।



গুৱাহাটী বিশ্ববিদ্যালয়ৰ অসমীয়া (সন্মান) বিষয়ৰ ষষ্ঠ ষান্মাসিকৰ ASM-HE-6056 কাকতৰ পৰিপূৰ্তিৰ বাবে প্ৰদত্ত প্ৰকল্প পত্ৰ ।

(a para 25/06/23

নাম :- প্ৰনতি ৰাভা

শ্রেণী :- স্নাত্তোক ষষ্ঠ ষান্মাসিক

বিষয় :- অসমীয়া (সন্মান)

ৰোল নং :- UA-191-100-0115

হাব্রঘাট মহাবিদ্যালয়, কৃষ্ণাই।

HABRAGHAT MAHAVIDYALAYA KRISHNAI GOALPARA :: ASSAM. PIN - 783126



From - Mr. Saidur Rahman, M.A., M. Phil. Head, Department of Assamese Habraghat Mahavidyalaya, krishnai

TO WHOMM IT MAY CONCERN

This is to certify that <u>Sri Pranati Rabha</u> of B.A. Semester - VI with Major in Assamese Roll No. UA-191-100-0115 of the session **2023** has done his/her field study under the guidance of the department of Assamese Habraghat Mahavidyalaya, Krishnai as part of their Major course and has submitted the report to the undersigned in due time.

The report has been found satisfactory. I wish him/her success in life.

Head

25/06/23

Department of Assamese Habraghat Mahavidyalaya

eyon-

अग्रेसिक्री निक्रियानिकाति । जासमीसा छावलक ALD 1922 - 2020 - 2016. BIRS OLOL व्यास्त्रम् स्पर्माला न्याप्रातिम् न्याप्रमाल न्याप्रमा मिष्याचा यादा तक्ष - लाकुभन न्यान अपिट अविस्ता रक मानित सवादा - यानेजादातक याचित । त्यां वादा त्यं - रियममाल न्ययत महमा वाभि - क्ष्मित्रामाना न्यान न्याना म्हिन . ज्यालासिक- क्षेत्र - क्षित्रास्त (प- तन्त्र- ब्यात्स अपव नारित चिटा-आज व्यक्तीवाट हान्मीनियात 103 यवान - (काला- जिलाभ अन , GS अप, यार्वन , कान en कीव-; त्नानानव, त्नान-

स्वित प्राधित ।। उत्तव अष्ट . यवि यता. क्षेप्ट. क्षेप्ट. जिस जिमा. स्थापित क्रिया. क्षेप्ट. क्षेप्ट. स्थित १. जिस जाविवाच्य स्थ्या. ज्याक

क्रिम्मच- नगट अ(अक -बाक हिल्ल अक्रिक जनवाहित द्वा- आपतेम विभिन्न. अभीक्रावाक होता- आपतेम विभिन्न. अभीक्रावाक जीर्यक मिन्न विभिन्न. अभीक्रावाक क्रिया- विभागि - अप्रत क्रावा क्रियान क्रीयंक विभागि - अप्रत क्रावा क्रियान क्रियान विभागि - अप्रत क्रावा क्रियान क्रियान विभागि - अप्रत क्रावा अधि ३ ट्रिल्नकेंट के ता। अधि अवि न्यां न्यां न्यां अविभात अधि न्यां वात न्यां न्यां अविभात अधि अधि अविभात राष्ट्रा अधिभाव धर्यात अधि अविभात राष्ट्रा स्थापि ध्रिमाव अधि अविभात राष्ट्रा स्थापि व्यां स्थापि अधि अधि स्थापि स्थापि स्थापि स्थापि

युर्विका प्रीमाय

अभ अम् व्याया व्यायाचिम व्यायिमायम् लासभा उत्हामव सम्बन्धः अक्षानिक (ब ट्याव आहारिक आदिवस्त जाक उभक्त निवान याविष्य । ज्यायाव ७०३ अक्त अवियान वाम व ह्याव क्रिक. व्यवस्था नावा न्यायिश- क्राजांति (क तिरिष्ट मिलाड, निरिद्ध काअड, तिरिक्ष सम्भाड क्रिकार्क क स्थल अधिस क्याक व्यवस्थित अवियम कळ्यांते अद्यस्मि ज्यम्मीया चिवाप मिन्दिन ज्याक्रम रेट्डी । एडम्ब्रीसिन व्ययमीया यिटायेव क्रिक्सिव क्रिक्सियेक विद्याया संविधी वाका नाम कीयुष कार्यान कारान जाता,

ि।दिष्ट , विवि - 1211 हो। हेन्स वास्तु की की की की विद्या -रामकी सादा- याहिए। क्योगिव क्रीडक्स. कंदम होते क्रीमेर्ज (बाक्राम जायक्ष मायक्ष मायक्ष क्रीमेर TAMPIT याकि त्रि-द्र क्यांव काब्राहिक कुछ्कान जाय छक्ती नियम कार्यका अगिति के छील न्यामेलित सर ब्यान कर स्विम्या न्या नामान नामान के मामान या भेळ - ८३ मात्र ज्यांक टिक्किंग मा ट्या माल । द्वा माल । द्वा माल । द्वा माल याकिएए स्थान केंग्र क्यान ल्यांस किवलिन जानव आद्य आपि वाभिम । प्याल जनवाजिय उपक- नापित गय न्यम् नामान न्यासाय कासाय कासाय । DE WO WATELD BOLED SPE MARKELL - EN

ब्राक्त । व्याव क्रान्य न्यावीय क्रान्य निकान न

प्रिक्रम अप्रमा अप्रम अप्रमा अप्रम अप्रम

रेल विलाम । यादा अन्य विष्णालि ।

30 ---

तार्यः — अ विकार रिकार दे — हाराबार अधानिमालम् क्रम्डोक् विला ह — हमश्रालम् (क्रम्म) राका नहे है — १४ ६३२ ६ 311 - 12

जाउए जिला !-

0.8 — क्याना कार्यक्रव निम्मान ड 0.8 — क्याना करिया नय एक व्यक्तिक्र क्यानामी

०.८ — क्यांका क्या क्रोंचल क्यांक्री

्यत्य अन्या स्थितः १ - यात्र स्थलत अत्या आत्यत वित्रम मिथ्येत अनुत्रामः १ - यात्र स्थलत अत्या आत्यत् अन्यम स्थितमः १ - यात्र स्थलत अत्या आत्यत्

के - आर्थ आया कुना

०२- अभार्भ या माहि अवा

०.७ — ट्याकृष्टि उला

ON - THIS CAIM

0.0 — न्यानभा अपवा

o. 12 - अमिडला उपाला

०.१ — रभागानी या साभात देला

o.b — जा दूल मिश्रा

०.५ — कारी अन्ता

म्हेस अक्राम: - ह्यां का क्रिक क्रिक्र का क्री ज्यां का क्रिक्र

लाएमाना न्यूजा

दिश्मित्राहोडिया नात्ता भावा सावाभक्तव यमक्याप्त्र कार्वायकार कार्या करा त्रिया . लायेक्यान । त्रार्ट, जायेक्यान हिर्द्धा दक्षि त्रायित त्रात्राश अनुष्य निवा क्रेस क्रायेव्या याव या कानियाव ७०% नुवाय न्वायुकी निष यात्रा अस १ त्या कार्यानित्र दिवासा स्वित र्थिए उपनिष्ट नाक पारी देख र्सकाय-अणिति . या . या श्वाभागा। या हा सप्तल एक्टे-वाद्यकीयङ जायत नायत स्थित खाक स्रोधी सभी या स्थित का निक्ति देश देशवाद चाला. अर्थ। त्यु. न्टारेका.पद्रात हुनायमाट बालास्यल - डाय- प्रेशव, ख्याप- निहाल,

1212 - 1090- 2019 . Condino 30 201044 ्राखाम . प्रविश्व मुन्न वर्षेत्रण मार्ब वावा कालाम. जामं, यन . - मेव व्यवास . राष्ट्रायत राज्य अप्रेवादिव निर्मार्थ याता यम । एवं वादा न्यावा न्याव प्राचित स्मादित सम्मावा न्याय व उलाय . ज्या द्यार देव ज्ये अना या अमे। क्षेत्र न्याम न्यामित वाला आबा ज्यस लाला वाला किला विश्व अंक क्रिकान साप्रकात साप्र (व. सित. हादिन कामा देन न्यादि । क्षेत्र लादिन - यावा अवाक - कार्यका यावेकात यावित ल अ पाकि यताता अभ , उपल्य मिला

ठ्या । आयो किला अवसार सम्मेल बाहि अब्सि हा उपा न्याहि

प्य- पिन - सीत प्राचा केवा क्या प्राचा ति स्था प्राचा ति स्था प्राचा ति स्था प्राचा प्राचा ति स्था ति स्था

भार्षेत पिट्यीय माना ज्या यावा अस । () इ. डी.ची- आदिव दिश्मात - लाखाय , - BINELO " DIOINI QUEIL'SIGIO. व्यवा वक्षा वारति । वर्षे नव्यवा समा का । सार्वे अस . नायद. त्यावा त्यावात. स्यामे . ति द्यु भि. खिल्म. प्राप्त- त्यर्ग्स. नादा रेल - आधाना का तह क्या क असिक मि मैंबाब साइडिंग साइडिंग प्राप्ति मारि नमी या यानाव वानाव- हरेन्वले मिला त्यः अव्यान्यः अपन्तिमा स्थान मिल नुजा या शय लाला वा यूनि रहम। लाकिरद्रावा डुका ऋवाव विक्रिक व

अर्वित न्यावित रिमिल व्यावित याम -याबराध युर्व ! क्या. जायाय येक्यां व -बालेश नाम प्रद्याशय . दिलान आने जन स्या अस । एक्ट्रें खेलाबा न्यालास न्यालास हा देसा - लाक्न नः त्सी ल्याक लामाण ज्याल सिराठा ए- सिट द्यापी - यह शहर अहिंदारा व्यवा आवि - त्यामि - निष्ठ् निष्ठ निष्ठ निष्ठ भाराव अधियम स्वयं हिल्ला जाराम् आकि। ज्ञान भन्त ज्यवान त्याम न्निष्ट्ल- - ८७७ - लाहाबाद्रमः . त्यव ह्या राभ- 1 ८०२- उजा विश्व निविद्य एव- एवरिक विद्वि -याल - खिरालीव- अम चाट आहा. आह. वेठ. वि. मिन्छा- - व्यक्तिनाविक सम्दर्भ।

त्रे पादामाला ठेबाट नाय खनगान, न्यसन्यात्व साम् द्यार्श भारान द्याएड - श्येष्या उत्या क्याप अपिनार्ध. जन्मार्थ मिला छाक ल्ल्रि ज्याति अर्थन्त ह्वाव ट्याय-अवाकी-आत आर्रेली मिर्द्रियाण द्य मान्न - अम भावत - निर्देश अरे जिला निर्मा निर्मा केला याता अम जाक ट्रमला हैला या व द्राहिय आविव . बाइब . छात न्यार्थ पाछ . जन्छा । दि कुनि करवा ध्याक द्याव देव द्यान द्याव 201



वाहि- या अभिताह

किता अधिक आणि अपके अधा-. विभाग्येश्वर्या या अवामानि ल्याप अल : ७३ (वाबय नाबा - साव माबिविध नायन न्यता अमे । त्रे देखा काल न्यूष- क्रास्ट्र- - व्यायाद - - अन्या राजा काराक कार्यकार्यकार्यकार्यकार्यकार्यकार्य रमें जीक G TRASIA STOR THOR व्यविपाधन मिन्नान सान्य of 31 टम्बे दिया प्रपट्टित। तर्व दिवा 3175

Total Tax Action

जानित्व अधिका नाव के जात याविद्यान जानाला जानावान, जानावान वानायम . भारतम्य - क्रम खिल ब्राह्मसम्बर् विन्याय- । अवाव- ज्योत्र रिक्साम्यक्षेत्र देश प्रवास विवासिक देशाला . दिने वाक्षाल अकात- नात्र, मोक रेन दिलिंखा मीधल वलायुक - विश्वनी जामि । जिरे स्वाम स्था कामान मानाक कर्यान स्थाप अविट नारव - स्मारेगमान - श्रीरे भावे -छात- उञ्चल देभ जेन - त्यमेट अम

96 यासी ; निर्णा खान . हिसी माने ज्याना रेगा त्वव . याव . प्रवेशक . करेल् ल्य. अवाट न्याष्ट्र, अविक अप ' अपनि टाल स्पापि कितिका साँग्रव भूति ्रीडि छानः माल जाक ७३ लविषा नाहिताव अन्नाव अन्नाविक नावि वार्षि अवासा प्रमा रिमाला दिनानि । अरे पुन्जान किटा अवक्षिक्ष वा. याम क्रिया क्या लाक -आम मेरा . सिंध. .कत्रुंश- १००१ यादा-अवकाता. जायित. व्यवप्र 31400

50 धित जामार्था । विक्याः जानामाम, जानायों). जानायामं . ट्याट्याता क्रा व्रति स्वाधानम्पय निवन्तान स्वाधान . ये . ज्ये का पर - वाताक के - वाताक प्रायाली; विकार अयल - लाक्ष्मा अत्रवाब व्यवा विवड शास्त्र । क्री. व्यवादा वावा त्याञ्च . त्वबल . हिल्ल द्याआप वाराष्ट्र कतक- ८०१- अविक सिविक

मावा अला- यावा या ।



दिशासीह अखा

-(जा माह, जे बा जासक्स सावासकि दि व्यातन मवा क्या । एवे - ब्राबाट वा बाद्यक्रि यक्षा कि नमें नमें जाएं रेन काएं। (2116-0110- विक नाया प्रवासी यात्र--टर्नास क्यान अपिण नाम नामिल । एनपाल हुरे न्यारेन स्ति सावि आवि नायला याहित याएस याचढ जाता विद्याप वावा- जार न्याया -आह न्याय त्या देव जार्सिक्त १ - धविल - आहि- माक्रिक ठेम्ब्रेड रुडे लिल्न कारे विकामका मिन किया वालि १ केर निष्य की लिए

प्रमाड लिल्ला. ज्याक . प्लिल्लासक. प्र अविद्याल याना एटिक दिन निमाल का कि का निमान छात्रे जाक काल चूलि ट्रेंक एउँवा . क्यावाया द्यादा लाक , प्राट्ट ए हार् न्तिति न्द्रायत न्द्राति न्यिएक् मिला- लाक उत्ते - हमाल निमल काल काल किया-यानीयानी समुकी समाल यानानिक दे? स्वत अट्रिलिक उट्डिक न्यूबा सामित्त निक्नं मिट्ना व्यवन - लाण्ये द्वा अन्त्रवी यमा दिन स्मार्जाक दे श्वन समालादमः अवा अबिवेल निएक नित्र अवव -लगण्येक नम्बी क्रियमनाब मिलमे ब्राह

न्याम (ह्याका पश्च) हो न्द्रगास्ति शालाला काला न्याम (ह्याका पश्च) हो न्द्रगास्ति ज्ञाला स्वाला न्यामेल कर्मक्या प्राथि ज्ञाला सवस्य स्वाला क्रेक्या न्याच्य ल्यान्याद क्रिक न्याला प्राव्य प्रस्ता

न्यान (ह्यान प्रमुख न प्रमुख न । स्थान हिला । स्थान (ह्यान प्रमुख न स्थान स्यान स्थान स्य

अरे स्माणि 'म्डाबाड 'मानि ल्लोबीध याद्या प्राप्त कर का जिलाका प्रवाह कर का जिलाका कर सामान लिबिध वाह्या कर सामान कर का प्राप्त कर का जिलाका प्रवाह कर सामान कर का जिलाका प्रवाह कर सामान कर कर सामान कर का प्राप्त कर सामान कर का प्राप्त कर सामान कर का प्राप्त कर सामान कर सामान कर कर सामान कर सामान

स्रकाल वृक्त स्रकाला एक जाहिबंद की व दिवाला । त्वेड - नेकाट - ल्या मेडय- - व्यत्र ्री त्यादि समाध . के खोच . या ला था वा थांत लावा निर्मिष : उड -माब द्वावीय ज्यानिस निर्झाल न्यून-कवि - वालाकिक काञ्च वारिकावी "अ। जिल्ल मिल अमिल न्क- न्याप- न्यापि सा ला सक्ति द्वापिति निक्रा निका देखा निष्य दिसारा असे। ब्राब्न-अपटी- नाटि द्वित्न- सिर्धित व्यक्त नियार स्वित आदि, जीवन अल क्रांत्र न्नाउप्पायन - ८९ नामन क्रीम स्म ; जान

अला अग्रा काइम्रव क्रम्यूक क्रम्यूक व्याभाव क्रम्यूक व्यामा क्रम्यूक क्रम्



(अपराष्ट्र) अवा

मिभान (अला

लास्त्राच त्यावाय नावा . जिपात लाभिमात व्यवा - ३६ किलाभिणव जाउँ वर जाउँ वर वामिता कार कार्याहर क्या क्या क्या क्या क्या बिहि जालिए मान भार १ लाहिनाई(201237 - शायल 'के का - अवाक्त्रीय कावा अलामनार्षि . इमाढ . दिशाला दिममावान रहवा सम्बाक अधाराजामः नाम कामः ८०६८ । मह (245- - शाबिटित , डेमिए- , बावुमे- . ९३ सर. न्द्रील- शालव न्याविक न्याविक १ वर्षे (अपाठ - अवत रेखा - जार्य - यवात लभकु वीय खवा ममन जाव ममन

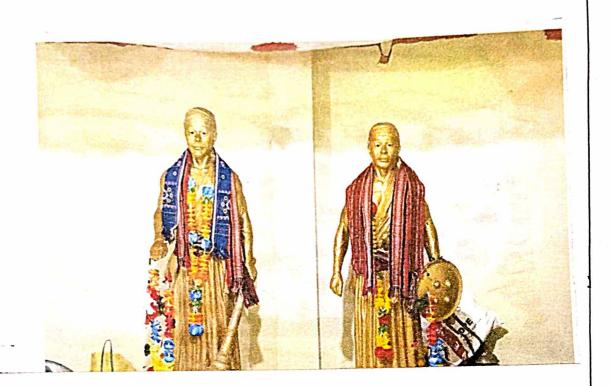
याना स्मामाण ज्यान क्रिकील क्रामाण कर्मा क्रिकाल ज्यामाण क्रिया क्रिकाल ज्यामाण क्रिकाल ज्यामाण क्रिया क्रिकाल ज्यामाण क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्र

अवात क्रांत क्रांत क्रांत क्रांत क्रिया क्र

Syland - sile . will . Ald solle न्याम्याद्य क . ज्याष्ट्रिय । - ज्याप द्रमालाद्य व्याद्य यान खनाव दक्षाक व्यक येन मधान एकरे ममा व त्रांने ७ निन्त्राम न्याव नाव ववाद न्या मेवा. हमायः . क्यार्थमत्रात्र साहि लाजवन्य <u>लाश्रमहत्रमा हिल्लांक</u> अस्त - ख्रियाम- स्पट्टिलां वृति - क्यापि याप यद्याप्त न ता अन्याद्विष्ट यमी - यति - यादम । एवे - क्रथन अति क्रीक्रिय 2 - GM2 - यान - याना समाव समाव याना करिया . र्याव - व्याव द्राम जावि मानि प्राचि ने देश यान ववाव - टेंझना फलाले - द्वानि रेश-वाबाद - हार्यान - दुसना व्यक्ति - महाति छ सक्ति

OILD 55- -पाका - वाथ. थात कीत कि। सब माअम्य . दिमालाद्व . त्यात्र- त्याका. क्वीनाय अधि। एए। चाय कार्याय ने माय ने माय ने माय ने माय ने कुवा- कलवावीट्ल जािर '-लाह निगावीट्ल त्राका. है। जा अरिवा - आकासप्ति . का अर्थे मिरिटे. एमाप. क्रिकेटक न्याहिष १ दि। अ वालमतल नेनिय निर्मि अवीत प्रवाल खिमिका या.मी. -कार्स । त्येतु द्रिश्मात स्राह्म -वन ह्याकीय- विद्य तृक-अपि जार्यकि (21419 लम् किम् मिन्ना नित्रा प्रति लान्नेकाला नानेकिट न्या । एरे नमान ट्यालाङ याष्ट्रण जात्र ।

यळित्य मैल- मैलीय काला कामूहण काछ। एके समाय अव्या . . कीकुटी काळात्व व्ययस्ति । ज्यान क्रिंग - क्रिंग - क्रिंग विक E1131 SILM 1 201- 514 Jourda मान काम काम काम काम काम - अंति हिमित्व ल्याया याभ- १ - ०० मुदिक राज्याला नामरिक न साम्र (३- न्ट्रम्यान स्वरम्योला साम । २३. जापव द्याशादी. व. , त्यायि कुरी. न्याद्वर्षण सीव मान वाका न्यादि 31 and 52121- -011. (pt 1.21234 -3115.02 छाडि आल्या ८०वे- ममान द्याला- वार्रीकेच याता अर्थे।



AN HINTH TIGHT

अमेक्सा अला

ह्मवलीय (का-अम्बार्ककाट कारिलाफ यात्रमा क्या या । कि कि कि मैंग्रीय व्यानक खाक खाड़ी द्वांग लातायो काल चुलि विश्वात्र काला २३। ह्यातीव व्यवस मिना - जीवला जाळेत्रीय - मिना र उडेय छेला रम । जासमाना जासम्म कल ज्यान रम्ला (८९ सर्ग - भार्य सम्ब्रम पिटला का यिकाप्त. अप्रकाव. नाक स्वार . प्राक्षिका व्यालत रावा क्षेत्र । क्ष्मिक्ता सारी व्यावाकी त्रिक् - एसी। एडिंड न्दी, क्रूबी, यउन्ड (बाग),

ज्याक - त्वायव जानेकार्य प्रमी। ELADIST. ON ENTIRED . SOMEWIR -NOWELLE िलासना न्यावा अस । एउँ पिडी नुत्रीन जावनाव लाक ७वे. समार स्मित्र वि एक लाक बीहा श्चित्रक त्याम या नामे उलावाल रेमए विद्धि । रेमाव लग्रह जान्न ताम नामव ल्याक्राक्रिक . रियास्य आदि . सम्रिटा - खिल्ल । न्छे क्लीज्ला ट्रमिस न्ड्राक्ट्यास इंग्ल यमाडू, विक्ली, any (a) and with tong 20,30 sund-अंस आर्ष : आर्षक. क्राकेल पास अंप्रता ख्या श्वावत भिंद सिविमा कि असला

मेंग प्रयोग मादा कर जात लायेकाप स्यान्त्रियः । क्षित्रः स्वयः न्मार्थिय व्यवा यद्म क्यां न्यारत यारेव यारे व्यातिस इस आफ्र खाक कावत न्याह कवल देन क्माविक्ततं . इंग्रिच । त्ये अश्वात क्यावान क्रिके साभव लवा न्द्रवार्येवव . तम . द्रिकिय साक यि- ्याहेड्- चिन्नि - (बाध- क्रिंनाड्रीहिल । पिती न्याविपाय. व्यवासिवत. जाबात स्थाव. निष्व सम्मा विष्य भाविष्य स्थित काराम्य निर्मात्र निर्मात्र कार्य मिष्टितः। जासमा कारितः न्यानिता नास टातुं अवि : अतआ : एतीय ताचि मुल भ वावा टिडेव (८९ भाडि ट्राप्ट्रेल)

Chयो - क्लीक्लाब · Conायमा आभाव लाक अवाबी . में आदि . याबा . व्याबम्पा रम्बा रंगा - (०३८१- व्याक यसक्य . क लाच न्याके . ह्यासमा न्या ५४ । त्रमाक - क्यीन काम - माम । मा निष्य केषाया नादि यक्षि जाकि सिक्षाय जाक कि जाति। शिक विख्य की क्यान देशक की क्या क्या जा मिल्हा, क्याल भार नामक कारक, ज्याक क्री

अण्या आर ट्याब्य । क्यां अप भारत क्यां अप । कार्या व्यां विकार अप । क्यां विकार अप । क्यां विकार विका

स्थारं, शिक्ष स्थाता. असे ज्याक प्रियो । अप्रिया व्याक आका. त्याक आका.

ाय जनकाठीस अकामासब माबा कामना किहाम किराध्या काफि क्ष्यां । क्रिक नाहिक दिन्न - हिस्सिअ- दिनाता जात्रा । स्ट्रीयुत्र- अक्येत्रहाद्व एउँव चिक न्यांक माली 'सवाठ व्यक्तिमा <u>ज्यात्रामे । अपुर</u>क्ष- नेअवः १३व- व्यववर वायअल . त्याष्ट्रे . व्यन्तिमा । किषुभान व्यवस्थवाट. एडड्रेस क्रियेव वार्ये वार्येव्य कल , व्यत्रकाव- निवादी- भनी- सवा अमे। क्रीण्लाक प्यादुकालीन पडनड टार्ची विराध जाक ठाकुवानी, क्षवानी, कक्लाअभी, म्हानिस- त्याक क्षित्राह्म , निष्ठाराज्य, नाति प्रमानीस (जातिक - अटिशाव्य - कला अमे। ..

क्रीनिक क्रिस्ट क्रिस्टर ानि निर्मिष्ट . याचा . अम । निश्च -व्यालिस किंदी . त्यात. त्येप बाबुक. अक्कामंत्र हिल्ला किन्न मान क्रांच मट्न म्यूवन रिम् क्तिमंत का अमे । स्थित्माता विश्व-८५ पिश्व लाल ट्रेल अला - मिकिड काला अम् । निभ ्रावीय निमान - सामत - नावा निमान - हाबवढ -2D4210. यथ क्रिया - CEXAL) ग्रीय किष्माल . ज्यानिलिल . त्याहिलाम मालव (वा अव क्ष क्षामक्षी अविकास त्रुति रिवळ्यास - उपटल- 1

क्रीज्ला रेइक लाक काळाश्रीवक्षा यादव । त्यमी अधान मादा व्यक्ति न्धितासेव , पास्रव कळ्य मानति स्थल्प -क्रुबन नीय- त्रिम नाविवर्त नाविवर्ता-यालाव कार्यायका निर्माण । किंडेक क्रिकिंगा ख्या पानग . खेबारी त्य झिल्ल . त्येत्रता उन् । विधित तिराधित कुन्येत . दलकु - विवात ; मार्थित सम्मान नाम नाम नामाना महत्यो। त्यी . य अन्य के । कारक कारा क्यान ज्ञाबाकी . ट्वांभव - ट्यंबी उलादम्बीव

रिस्ट दिनामा क्या स्वा स्वा तिकुल, भार्थ । मार्थ कीप्राधि क्या , मार्थ । क्राप्त । भिष्टि हिना काक नार में भिष्ट र मिर्डा लाक देखा - सनाव - रिमेर गरमद - के दिखिट याया अया। त्रश्र एडडेक नामून मार् थातृ ज्यादिक । ०३ - धियवपासि - ७३-० स्वाक काकि खाक अधि है। विश्व ट्या - किशल- राष्ट्रि ।

काममा क्रांति काम कार्यात क्रांति क्र

टाणे नाजा जा ना मानी कामण त्राम अवामी जीवन जात ; विलमे करे, गानीआमा ; वर अला ; त्राह्मा इसी ; नावासुनी , गानीस्टाम ; त्राम आला , अक्टा ; त्रान्य की , र्याचेस्त्री ; राम्म की । जात्र - स्वाक्ष केंद्रे र्याचेस्त्री - राम्म की । जात्र - स्वाक्ष केंद्रे

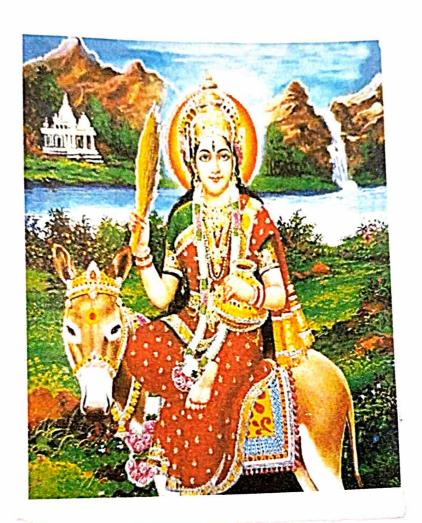
अवा - न्यात्र मियारे- त्यत् प्रेश्वत अवा प्राप्ति। अवा - न्यात्र अवा अवा प्रमुख । अवा - न्यात्र मियारे- त्यत् प्रश्वत अवा प्रमुख

लाहाले कारक - मिक्का - क्यांग अम् । जात्र भीताव अवार्षे नियानिक दिशाया भा। - अमिला न्युडिला जाडामिना ३ - जारि न्भारी अधिक लिले वाप का अधिक । निर्मे न्त - अविद्न - जात- अविद्न पिटिनीय - व्यवङ न्या वर प्रमान ज्ञीन्त स्ति नामि नामि नामि नामि निर्मा कुलाक मिना भन खाडियान मिनुजान क्षित ... महिला। आहेता हम्मे-भवाकिकान -आश्रेल उलावे अनाम

आद्रा । जामा आमा खादाव निर्मेद -आविया . - अविद्धा प्रतिवाश . वारा व विविष् लिसारे- जाक माक नाडि स्वताय निला न्ताक दिवादिक अ.स. स्थाउर सत्यत् द्यात्र यम ल्याकः द्रमण व्यावात निर्णेष् क्रिया नित्रं क्वी जला 'ट्रायीक " क्वालिटाल रेल कता क्रा । न्यान्बिद्वा जाल , व्यानी अविता यारिटाल अतिमूल क्रेने क्यां आक असिटा स्विट्टा- - नामा न्यादि न्यव्याद्रा- न्याद्रिम -मिल्टि क्यांडा अस । क्यांट्रिय . ब्यांड्रिय उड़िल भारत दिसा भक्ता समीव

िर्देश्ये नियर्ता अग्रा विश्व व्यव व्यक्ति हारा आ क्षेत्र - मानिवन द्वारा जारोल याम । अविला क्यांवा वाम यात छात वाद्वश्यन, हार्वात्रान जापि गार्का केंद्र क्रीक्या ट्रायं का का क्रायं का का द्यार्थकार ·लाष्ट्र. ज (चारा.) प्यशाल क्यात्यात क्रांच्या व क्रांच्य क्यांटला- प्रकास क्यांचान क्यांचा क्यांचा क्यांचा टामनी अलाय मिननान जिप लाक्ष या Lyber 1 ros. Selaly wer ena land sand sala िक्यें . श्रिमेट . लामे की वाजल. आध देशा है। रम लिए न्यति . प्राप्ति . हिमान इतिएस

कार्यक स्थान कार्यात कार्यात



की जी में जीवन फिर्

डिया. अवा

्ये दिरास आधीय - शमन अवाव क्या वास अरानिक 63मारा । विन्यु मकलक ज्यावके कर्न क्रीक्रमें वा विश्वव टिल्लिकी क्रिकेट दिवसे नाम स्पा की । त्रभात लाक प्राक्त प्राक्त कामका मिरिस आततं नावा - (राली - ८९ मण्य म्हावे रेम् ए यह अनिर्मा विन्द्र विमाल त्लाक्षमपत्ति दिम्यालन क्ला यहव (८९मर्ग । स्मक्ष्याक व्याली ; हिमला १ मन ; मन्द्रभा काम्ड १ - में भू निर्म लाइम् जापि विद्धि नामि ह OUT गाम 1 असम लाय टक्येट क्रियेस मध्ये आरोगडम - ८९ प्रव इन्स् २ व निट्डवड - रुत्नु ९ म ९ राष्ट्रिय न्या ४०० न्याण्य न्यानुका विभिद

वालन क्राचा क्षेत्र । क्षेत्र ८९ मध क्राचीन जामन न्द्रवाव ज्या नात्रभः त्रिक द्रिमंश क्रिम्भकत्व ल्यानात्रे. प्रमान क्यांकेश्व या यित्रकेस बेला सह। लाखाल . ध्या द्वि १ में व . मा सेता व छा। सम्प्रिया. यां कात त्यांक सावि लिय मिविव साल-र्क. - आव अप्रे - लापत न्यति। - एखि व्यव्हा द्माला ठाले ७३-६०३-६०३ कस्थायन नार्प .बायन न्यटिव। प्राधियक्षित अविदेव त्याविति। न् न्यला निर्वा निर्वासन् न्यामेव मार्भेक्टीत - ब्याक क्रिलिट्ट , संबंध दिलाला । (अट्ट दिन दिडमवा अटमला पातिका र्यात न्याडिका १ एष्ट्र . यावेल क बालिस ने यालमक जितिमितीक ७३ डाजा नालन

यादा। त्य प्राप्त दिस्मारात द्याला आस्पात मैंया देवा यवा प्रक्रा । भारुष एल्ल्यूब. सीत. जेबा अवा क्रियेट स्वाह अविदि ज्यालिका ज्याति । राष्ट्र दिल्ल - दिल्ला निक्र महाल्य मन् ल्यायत नवार. जिल्ली न्यारितत यत्ते जात मिशकि निवािभ्य - लाङ काप लाझ काप क्टेब न्यालिशरवाल न्याप वासा १०० विस्त (29मराख - काममिलारे व्यव-मुगाय काम्ला काम २५ । निकार मिना बारि अवार - अस्तिति प्रार्थितीय यवन अवर हैन जाता यम जाक ले जानव स्रम् द्वाल स्वाय यवाल जाता यम । क्रमाल रेजीय क्रांसाट्वास क्रांसाट्वास यादि। उमात , भारीब -शाइटर दिस्रो. अत्रिख ल्याप्त

जायव व्यवामें न्यापि हिल जारिका 1 करें स्टिल एडअसिंग निये ग्रेसे जिस सरहार हि आप्पि स्थानि क्याडिक 1 एवं दिवसवं स्थान सिन्टा कार्का टिमला उस - इंबर्स सिन्स साति मिल्मा - मिलीस मिता द्यान यह ट्यांता. क्षं लाक न्ट्रिंग मिया द्याका द्रभाता क्रांता ्रे ट्रिन्स खिल न्यार्थात दिन्या, यम्। ट्रांडल ८९आएम किया अत अवा (का कुरिड) रम्सा , असे 1 कड़ राभाव क्रिप्धाल क्रिप्टि प्रमुख मा रेयल त्यावा स्मा । जिस्स व्यवा जावि जी.क्या . मात्री क्याती. कंगे. । एवं थाए एक्या जामन कानि काल्य कालाक कानिका

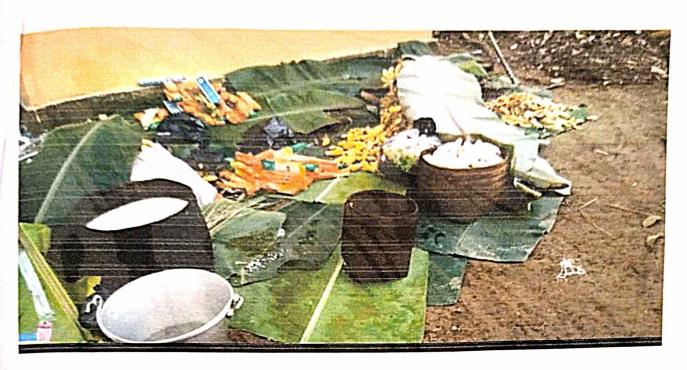


LUMIEU BOUT

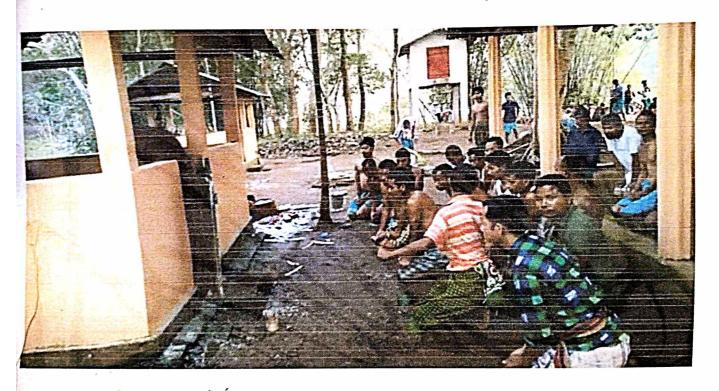
रमात्राची या याभाव अला जममाव र्मायाल नावा- छाउडल क्रांति कर अख्नान। यकक दिसाव ३७७ दिशावा च्यावा . अधुत्रेष्य - चम्पावट - या हिम्माधिट -अग्न- ज्याम जाक विल्मिक न्याय तिवर्ष याभाल या अवभाग्रा अन्तली - न्वाप्त्रया अस्ता । अखना याल जा करियाम कि स्थित अलाम अर्ग- न्याविता- अक्त जासूम- जात सम युलि - निक्यात्र- -काला वस । नामाले जाममा क्रिकामायावातः कार्व निष्यं क्रायं यानावः

On a- कियान त्यानाच त्यात सवभागाल-त्या अवावांत्रा. 1 अव म्यामि, त्याम्याम प्राप्ता (विति जात्रामाल जाक, कार , मात्राली प्रवाला वा अर्थन- युर्वेश्न क्रि. अद्यात्राक्ष प्राचातः क्रिक्षि कल जाक अपि ज्ञामक खाला मिला। खेल नाप . (आवाड़ा - खाल- प्रमात्म प्रमाताती द्याता क्षांत्राम । अव श्रीयात न्याय अपर जाकारियाम - ति अवन - काट्स । व्याप्तम् व जे यात्राप क्रिकेबल यक दिशास , यण यो नाकिल मक निष्ठ उनावे आदा दूरी TADATA SUCA PULA. SLAGOL GILÓLA

Lollette Lolle . Lawly at MISHEL सिया - या । जात्मे किंद्रशाल पत्रे यांशल व्यानि कीर्न निस्म । एके मुना याविल अक पिटिवात . यैपि प्रजीस याक याक याचा त्रावा भवा लिल लिल जामियरिल जिस्सी इस मिना कार्षाय राष्ट्रिय निष्ट - लिए - देव । मूद वाबार --आति भील ज्यादिष्ट ।



त्यप्रामी या याभन व्यक्त



अन्सा अवा

- असी देख विद्व निम् त्मावाया प्राची । विदेश अन्य प्राट खाँडेल प्यम - विवादाः विन्याम यावा क्या अलड पंशिकाक छात्क हिंदेन छात्र जाक देव केन्युअवला स्वाद्याय. मिनामनव आदि दिनुत केबा स्पना की अवना टेकक अलेखान यामुकर - व्यो ब्याक व्यक्तिस्य अपित राष्ट्री अव्यक्तिमः सिर्वावयव स्माल न्यात . विश्वक स्थिति व पाद्मिलि व

ख्या भाग्ना । क्टिन म्या का का का मायाव नाड्गाव । जना याम । जरे डाजा बालान 'अधिक . (निश्चा , दिनाताल के.वा प्रथा अरि। प्रें अवाव जामिनाये. द्वाव मुनाव हाका क्रवा यम । जाय नित्र इवा नित्रभन द्वा : अखी हेलाम । - अनमा (महीव - यार्म कल मान ज्याक नाल्य म। िश्व . क्रापमा. देता . कता क्रिजीत अर्थ यान मिना उस जाक क्रिक्राल द्रिशंदर किल्प्सा अमा अमा करें। कर अनमा अनाव लाभ लाभ- नियम- न्या हि। कि तुमात

. प्राची कात अलि निष्ठ क्राक alle Pelis B MOR I GILLEN-ि ज्ये दीचा . ज्यंत व अधिमान ्रेरे - अत्या ट्राम्बी ध्या अभाजा (यात. मैक प्यत्व . येथा . ख्रिओं य. याता श्रमा किष्ठमात ज्यादको यावः चितादक क्रिंट - य्राया क्रिंग क्या उप - शायव क्रिंग क्रिंग देखा स्थत । व्हिल्य (क्षेत्रेयेवेस) व्याक बुलि मिला। जी निस्म তেমাল খ্ৰীহ্ৰ न्ति। यापद्व नावार्य न्वाब्राक्र देर-ज्याद्ध ।



अनमा ट्रानी

का देखा भिया अका

. ज्या श्राह्मभाव- क्यामित वावा हाल - जावि काक काल नि जाविष् । वास्मिनमञ्ह्याक्षियाली वानि द्विक मिलाना नेत्र नाम अर्थे. त्रात मुक्षाताय . जिपित . ह्याजक . एया अस्। ७२ - वात खरवादाव-721191 चित्र वाक बार्यक उताय साया (का पर्ने अलाक. ह्याब - खबर्ने माथा - शिकेस अभी 100% - अन्वार न्याय कथता. य श्वयाम कवादा न्द्राचा न्द्राद्व । कड्डे

66 लावा के अपि . स्राप्त . स्राप्त . व्यावा का क्यावन मिव्यात . . व्यक्ताल क्राप किंद्राव भागाव रेश-मेंगा, नेता, जाए जाए जाए उड़ादित. क्षेत्राव काला २म । ७३ - अला के कार क्रम् भा या या क्रमी कि मां क्रमीलग्रीयाना यात मिया अमा । क्षेत्रिक याद्यास्मित्व व्यवकावा निभग्न । है। वस्तिति र्व- 23121 AMM - - Egy प्र द्वारी लभाय- प्रमा अमे . खादन- न्याकि अधिल ल्या क्षिण भ्यादिवास सामिस्मीयो आ ट्रेक २३४ । ७०२ - म्बोठा म्डिबि-७ कल -लाभट्टा म्था भी भी अम स्थाक 0110 छ

वात्त अपन अक्ष काक्र विमान

83 न्द्रमल कार्टिस जार्शिकार नहीं अन्योपिक मिशा अम् । नभी लक्की करीय वायह -अम - मिया- आ। जरे- अम अी-मञ्जादिता द्वा अपन - लाम अपन-की जाने हैं किया । जी लक्कीय नाडा कलवा आव जीत हैन - हाकि अप्रिस न्यायंड नुभावा क्यां कि का का का रल जायने ला - याधि सिधा स्वादा यभ । अहे. अवा - यायाय - निवाविष्ठ- व्याताव कात -िशियाप नावि। पारे- ष्टु-का- मिलास क्रो आबुड वार्योक क राजा क्या

100

यथ्रात द्वा

प्या स्थान स्थानका । साहासका करे दिलाक याद छार्य . उपाल अंगा स्पर्वा रुष्ट देवा थान हाणे. उल्पाध - हाय कर ज्ञाबल यूलि विष्णाक्ष स्तवा क्या । याद कार्य अलादन केंत्र. रम स्क्रेन र्मायानी जाय भन लाक निर्मामिका उन्नाक करवा प्रिया अप। क्षा के के काल के के काल के के काल याल सिमा क्या कर केवाड कर मार सिंग अग्र द्याक कई. त्या हा खाड़ि छेटी M. -. ON . Jed. 5001. CM (3113/1CV. 31) de

THE BILLAN ON COURSE COUNTRY BING FRA 136 THEN I BE SHOULD SHOW ELLOW Telest smar don 1 rop , and 1 center वाबात्य वाबा न्त्रा माधाः मञ्जा । या मेड विवृत्त ज्यावन जान नामा भेषु. क्या - स्पता : क्या । त्येषु. क्या आ . यातिक . १९०१ - व्यक्त याता क्या कर्न न किला . प्राह्म समायह THON- COILDI. 5/13. 1 (SA) (SA)



26 33 · Stal

अभाग्य भन् जाक कानिया

भू निभकः - वाह्यनः याद्य - नाह्यवाद्या नुका भक्ष दुभकिः शुका भू निभकः - विद्व कुमाध वाद्य — आक्षाः श्रा या यहि शुका जाध्य नुपानः स्मिला

्रितिश्वक: एतिस यादा — एत्राष्ट्राती गुवा जादि ज्ञानमा श्रवा जादि औ जी जी जी जी जी जी

1500

(काउमा शाल शाला के अवा नाम क्रीमेश यित्राचात्रीयक पुत्रमंदद् अवतः हि धी आदा नाम मिष्णाल कार्यनय ज्यालाहम मेरि क्रा । एडे- मह बालाहना वाचा -वानिय वार्षि स्म प्राधामकल एवे युवा खाडील वाला लालन काव जाशिक्ष । ज्ये- दुःका कालासकास्त अर्थन आवित स्थाप क्षित क्षित कार्क रिके इना राष्ट्र राष्ट्रव सुन सून केवि भालन कावि ल्यात्रिक । एवं - अया व्यान्ति ज्ञान स्मितिन यारेलक की विभाम लाक (म- जर भूका क्रमाव वालायें भावन देश-रेया थाना क्रवाल उन्नेक धक इंजिला भालन किलिक



গুৱাহাটী বিশ্ববিদ্যালয়ৰ অসমীয়া (সন্মান) বিষয়ৰ ষষ্ঠ ষান্সাসিকৰ ASM-HE-6056 কাকতৰ পৰিপূৰ্তিৰ বাবে প্ৰদত্ত প্ৰকল্প পত্ৰ

Cuide was

নামঃ- ভূমিকা ৰায় শ্ৰেণীঃ- স্নাতক ষষ্ঠ ষান্সাসিক বিষয়ঃ- অসমীয়া (সন্মান) ৰোল নংঃ- UA-191-100-0060

হাব্রাঘাট মহাবিদ্যালয়, কৃষ্ণাই

NUOVOVOVOVOVOVOVO

HABRAGHAT MAHAVIDYALAYA, KRISHNAI GOALPARA:: ASSAM PIN-783126

From.

Mr. Saidur Rahman, M.A., M.Phil. Head, Department of Assamese Habraghat Mahavidyalaya, Krishnai

TO WHOM IT MAY CONCERN

This is to certify that Sri Bhumika Roy of B.A. Semister-VI with Harrowin Assamese Roll-UA-191-100 No. 00 60 of the Session 2023 Has done his/her field study under the guidance of the department of Assamese, Habraghat Mahavidyalaya, Krishnai as a part of the Major course and has submitted the report to the undersigned in due time.

The report has been found satisfactory.

I wish him/her success in life.

Head, Department of Assamese Habraghat Mahavidyalaya, Krishnai

> Head, Deptt, of Assamese Habraghat Mahavidyotaya Krishnai : Goalpara

यहाँ यात्र

यात्राय कायातं = व्या व्या , यम तमवाया मामब याद्रीक्ष है। केर्नियाय

i) स्मिल्ल . हामहाहाम :-1- व काम्यानः (i ii) अभ्यभ्ययव व्यावित्याला = 10 - 11 शुक्री :

मुख्यां स्प्रायं :- क्मिबक इएएस यात्र मान

1) उत्यास अपडेंभन्ति किन्नुका ÷12-15 ल्राक्टी

ii) ZNGIZIG YMYY : 15-16 YM:

iii) विद्याल राउनल होनाव पित्र एया: 16 खुईन

iv) इन्द्रल होस्तिव दूरि सारिकालि : 16 हाईन :

V) SIG-SIGNED : 16-17 SIGN:

vi) when the = 17-18 eld :

किल्रेडां क्षियोहं : ज्या ज्या था तत्रवाह्य जानव जय राक्षि छात राहेबी असल्य मीछ-विधान

i) MULTO: 19-30 DEN:

ii) एएडबी उत्पल्ल मिन्न - निरंहा : 30-31 एकी

निवंत्र अत्योश :- व्याष्टि और। त्याप स्टेशप अत्याद्भवा

i) my 257: 32-35 DEV

phony उद्यात्राहि निष्यिणालिए खासमीया अह - 20 engivera and 2029-25 days end काराभव रायस्मा क्षात्रा प्रमासिङाक स्मार्थक क्रात्र-- क्रामीय वाल क्षेत्र महासमा क्षाम माधियल प्रवादेन स्वाद्धारालय क्विता १८ व्याद्ध १८ १५ विस्रायंत स्प्रात याद्र गार्व व्याप्ति स्पर्याविमालयंत सावक दिनुरा क्रीय सह ज्यानगाशिक छात्राह 6th sementer & syn-syn when 33 स्मिल भन्न वाल लग्याहों। विहासन लग्नापक - अर्गाणियमत ज्यार्थमन क्राह्म मिलास स्थान, रे यात्र - व्यापन्), सम्हान्त्री, लायन्याय, लाय-उमार्थ), (लाय, काविद्यान) यत्म छमय लाय टाझा ल्याम निर्माला ग्रेट नियसंग्र उद्यक्ष

- अप्ति स्मान्य असा दृष्टि। ब्यात्म स्मेन असमा असमा असमा असमा इस विमान कामान असमा असमा असमा ब्या या वसवाया अप्तुम्बह्म, अदि ब्याम, ब्या वस्तु वसवता उत्याव स्मान्य। इस्में अहिस्मा व्या अस्तु स्वाय स्यायत। कुछल्ला जीकाल

थड़ां एडांक जाडामहार अजगारिका सहांत क्षेत्रमहों। त्विक्षित्र तार्षेत्र क्षिक्षित्र -- ब्यूमीरियम्ब स्थाय ब्यायिक क्राविनासन लाय गायत निवास्त वाविष्ट्रा । जाहार १५ भीने अधित्रचा क्षेत्र- ठायब क्षाबहित भवित्राब रामा छात्रिम रामहास्यक निक्त निकाछ, रिविद्य कामाल, विदिय ज्यान-वार्वणहेल या या या ONG MAISIMA DICO MASIMI MINAIDA समाउँमाक प्राथा मह्या अध्या उरायक यहा र्गियह्म यक्षम २० ज्याविका। स्यांत क्षयमी - ड्रा पिटाशव वाद्या कारणाह्य क्रियात क्रायाह्य क्र entre क्षित्र प्राचित्र हार्डि कार्याकार क्षित्र कार्डिन - उँ अरसास हार्स भाषा है। क्रीयुर्व . जाव, न्यीयुर्व क्रिक्सिष्ठ यूटमाह्य क्रियामा ত্রাষ, স্মীমন্তী

यमणी वाला याद्रेपांट, ज्यीयाजी एएउनियना स्वमः। यहिलाट, मोहाखी निक्रीया है निक्तां पृख्छल लगतः दिश्व लाक्सल नियमन किरिष्टां। महासिद्धा १४४- वार्ष्ट्रापड स्थाप्त अक्षद्वाना नामव उन्त कर्म कामान क्रेड कामल महाडे द्रीयात हमक हम्मीलया स्मामाला १ गृह त्मेनी ल्यांत्र ग्रेंसिन क्ष्मार क्ष्मार क्षांत्र वाचित्रा TIM CORNO (SHO) 23 THE स्मिन रामम सार्यों भारत दावि विल्प छ ययम् अयदार्था लगभगतामा विलासक व्यक्ति या या लिया हाया हाया लिया हाया हाया ल्यान सम्मन वामानी नामान स्थान भाषा हाया -नीयामा हामहा, नीयामानी हमाठ, निष्टामी साल, एतिर बाल, हेर्नेमान बाडा जानीत नाडा ड्राध्यम व्यवित्र क्यारि ।

गरे लाहारेखाव वासरीता हातम प्रमाण प्रथमित कालन कार्या । लाहारिक क्रिमावाम ब्यान कार्यहरूग ।

376

्रायानाह स्वायान्याना (क्रायम) कायानाह स्वायानाना (क्रायम) कार्यानाह स्वयानानानानाने क्रायानाने स्वार्थ स्वयानाने क्रायानाने स्वार्थ स्वयानाने

स्त्री की हमा, यमवासी, ज्ञानव सर क्षि की द्राक्षि

ন্যাব্যন্ত্রনিঃ मिलिटी छाछिल और यात- एभवा ब्रूथूवी हाया त्ये व्यास्त्र १२६ १ १ १ १ व्यास्त्र हाया हाया । व्यास व्यह्म द्वालीहल। वस निष्ठल सामाल हामल हम सारं शक्रामक क्षित्रंप अहाकिष्य मारित अठन अप किल्हिमेर असा कामार १७१८ हुने हुने असा र्युवी हाबादिव रिप्टेल अक्ट्रिंग चहुंचा ग्रहि रुप्यो अस्ति हार स्थाव कार्यक्षमा अधि। किस्मेल्य आर्यह्यत स्ट्रिक २२६० ४२७ देश, विस्ति, यार्ड, रिनम्भाएल अह सम्पत्न साहि दुर्णि द्वा करा। क्षित्र समज्ञ पुरा अनुस्याहिता हाल्य लामिल। अवस्त्रेस अमग्रेस यह या नियाल येषि कारल हा खह सामुखला । र्रप्रेय मारेनि है छापिला (यहा २००५ हनछ भीचीप्राप्ती लगंदिक अपित हाबादिन यात्रिक अस्त्री पद्मी १० ड्रेट दिश्वात अस्ति ग्रेट -प्रिस्ति क्षांम क्षात्रह यक्षा व्या यहमार वास्त्र व्यास्त व्यास्त्र व्यास्त्रीव अवभा न्यालाई युद्धि व्याला हा युर् युराभावान व्याली यित्वरित साम याक्तर यस । देन प्राधिकरि येत्रेष -िस व्यथित २०२६-२२ ४मस समित

काल्माप्ट्रिक क्रिक्स क्राइ । ज्यान काल्माप्ट्रिक क्रिक्स क्राइ । ज्यान क्राइ ह्या क्या क्या क्राइ ह्या क्राइ ह्या क्राइ ह्या क्राइ ह्या क्राइ ह्या क्या

लाक शुक्रामा अल्ला । जमल जाम सम्म वाल यमवामा जाक मामल लामना । जमल जाम सम्म वाल यमवामा जाना मामल लामना । जाना मामल लामना हुइ का जामना निम्मल जामना निमल जामना निम्मल जामना निम्मल जामना निम्मल जामना निम्मल जामना निमल जामना निम्मल जामना निम्मल जामना निम्मल जामना निम्मल जामना निम्म

পাহামত নিজাতি লোৱা বাপ্ত নিমনিবায়ী न्याभील प्राचानि ह्याद्या यात भीष्यामी । द्वामाल क्रियायीव स्मित्र लाक दिनालक्षेत्र द्वान्तिसा बाल-- व्याया क्याक भी बदाशीब सामिष क्याक मिल्लुक वाम्याका स्टाइक । बड्डाक महामान में हामुन का कार्य राष्ट्र यमयायी अभिष्ठ लाए। जाए। वार्सिक खूहा स्मित्र हुम्मे हिस्मे सामित्रक रिस्ट्रमिक रिस्ट्रमिक यीय समित परिणव ह्याहा यूर्त सम्हा यूर्ति परेल वा क्याल उपाहिल क्षेत्र उपमक्षि क्ष्याला ल्याकर यारियक येथ साम्राक्ष । अध्यक हममाभ काराई एवी (पर्य अवराय) व क्यारि नि. येथे, एसल व्यवस्य येथे व्यय रिक कार्य समझगर्व । यहा अशिक्षेत्र व्यक्त व्यक्ति हा क्रिक समर्था १८१३ यम समस् त्रिमेहा समहामित्रक (अप्यानक) लगाम नित्र वार्यस्मी क्षेत्राक नित्राचा लाया यूनि एमया यह विनिष्ट प्रायदिव रिक्प छाडे मिहि रिशाल यक्षमा यसि स्मार्थ री छाउँ। दिए त्ये व्यक्ष्मकाकोत् । व्यक्षकात्मक के. ह्याँचे विष रिकार भक्तात प्रमात नामक स्थात नामक स्थान । यभयात्री जापक -िर्मावियात्रील -िर्माविष्ठात्री असम्भाज -स्म गिन्नास स्थाहित स्थाता लगतः।

- कालाक लाम र नुम्म निम्म ।

सामा अर अंत्राप्त सम्म ।

स्वाम कर्म अर्म प्रमा निम्म ।

स्वाम कर्म सम्माम सम्माम सम्माम ।

सामाम स्वाम सम्माम सम्भाम सम्माम स

मा यमवाशीय यार्चिक खूकाय यो।
निर्मेट्ट मिल लगाए क्रम लगाए । यूकाय उमें विका मिल
ने गिल्यल मिल-विहा, यूल-यूमा लगाफि यूक्त-लाईमा
ने गिल्यल मिल-विहा, यूल-यूमा लगाफि यूक्त-लाईमा
क्रियाय हेलाविल एक जिस्माल भवा मानिक्रिक मेल-भील
भावा मिल्या मिल्यल स्थानीय खूका क्षामविक मिल्लि
क्रियाया मिल्यल व्यानि मीलिस विद्यूष्ट लिल्याक्रण ल व्यावार यहा । विहाल व्यानि मीलिस विद्यूष्ट लिल्याक्रण ल व्यावार क्रिक्ति क्योंभियी याद्य क्रिक्ति, विद्यूष्ट क्योंस्थ क्रिक्ति, सार्व्यास क्रिक्ति ज्यांसिक ज्यांसिक क्रिक्ति लिक्सिकी

२सं वय श्रायमा यस । उद्यापालीय ओखा हात अक्षाय भवात साम्राया अकार लाए। दाल-अवयन रामाय निष्ठल भउल हाया भीन माया गीठन साम राष्ट्र मूहामीए। एत्रीव भाउषा धारिवकी -हा भवर वस्त्रभूति एक्ट्रिये प्रद्वा अवा अवाख स्तिष्य सिंहा। लिय निष्ठिए हारे पत्रिन मील मात्र जाता द्वारामी है। स्टा स्टा यडमा हार प्राणम यसिय। उद्गालीए र्रश्य मिर्ड उस्वाय क्या मी मिर्ड यापित ; र्राध्यक्षिं द्रमेखक क्रामूख्य। याद्यस्माख द्वायक क्रश्राम कारा कार्यक कार्य मार्थि कार्य कार्य कार्य कार्य स्रक्षात साम क्यावा स्था वर्णका व्यावा । स्था वर्णका उह्याई विश्व स्मारि प्रयापि कार्याय क्याय कार्य लामि संदर्ध कड़ेंद्र बानूसवन किंदिय। निष्ठूब निष्टा पिछ द्यादितं श्रीप श्रीप विश्व विश्व क्यादि त्या निर्मित स्वाम्याली जामाना हमाय। माहल एट्डे फिन्छ एमंत्रारे इत्लाहार यड, एमंद्रमें व रिहा यड, यामाव त्यम भड़, एमंद्रपेव यदे लाभाष्ट्रव द्या, लभाष्ट्रव विद्रा, एटल लाझानि भउन जीए लादा रहा। चिर् बुद्धा । सब याग्रमि दिस्सं सामकान मंडल सब लामानि जीस सामाप्त प्राचल राष्ट्र

स्थार्य मेळ्ल एड खर्यमम याव राजिमान याम समाणन क्या रहा। सूक्षां छाड़िम नीमा प्रतिमामंत निष्ठ ज्ञामयनि मेल्ल उद्घाणालीव मील जामण्ड प्रति रहा। सा यलपामी सूक्षां प्रदेशिमण उद्घा-प्रति कार्या स्मार्थ मेल्ल वाशिल यात्रािल्न्य प्राप्ति कार्या स्मार्थ मेल्ल यात्रा

भागमान प्रिस्त न्या अहा अहि हम्बाम स्राप्तित क्षाका प्रमाणी क्षांत न्याविपादे लगामिय; भड़ांग न्या न्या क्षांत्रमा । अटे निर्मा एट्रिंग स्राप्तित न्याविश्वी र्यावात्त रिक्त क्षांत्रमा । अटे निर्मा एट्रिंग स्राप्तित न्याविश्वी र्यावात्त रिक्त क्षांत्रमा । अटे निर्मा क्षांत्रका क्षांत्रिका क्षांत्रमा स्थान र्यावात्त्व क्षांत्रा, निर्मा भागमित्तात्रका स्राति निरम्

स्रायम प्रधाल बोव्याब अखा द्या। बाबत माहुल रूल-जॉल पत्या, द्रिण समाव कातीए

प्राधिक स्वरूष रिव्यक्ति क्राणां मिलिक कर्म क्रिक्र स्वरूप रिव्यक्ति क्राणां स्वरूप क्राणां निर्माति क्राणां निर्माति क्राणां क्राणां

यहाँ समिन सम्मूय स्विम सिम्मूरे (भली हान) ऐंग लाहि जान के दि प्रभावमान समिन्द्रेट हान्यों इग्नायारीन हिंदि प्रायायों हा जान्या न्यारी रिमान वर्ति लाए । सानिद्रोरोपन ४० माना वर्ति देनियों) जान्यों दिए यानी २० मानावमा वर्ति वर्ति सिम्मूर्ग दिए यानी २० मानावमा वर्ति वर्ति वर्ति सिम्मूर्ग जिन्न रेडन मिनान प्रायीन वर्ति वर्ति सिन्न सिन्म, प्रीक्षिण यात्र सिन्मान वर्ति यहि वर्त्तामान्य, प्राधारिन वर्तान-वर्ति हत्तावन वर्ति यहि वर्तामान्य, यहि सिन्मानी हान, व्यक्तिम विनाह

त्रीतिष रिङ्डा द्रीलविल वेरे भागभण विलास भवा भार्त्र। व्यवस स्माद्यावासी सिर्देड्स वार्सिक कार्तिशास विवहानि स्मित्यव जान्मभूष भका भाग वाक्रक स्मर्ग्येछ व्यथा कार्त्रिक्स कार्त्स हुक स्माद्य स्मित्त काश्मवलाद्या सम्माद्येष चाह्ये। याम सम्ब क्रीतिष रिङ्म। वेरे भागभण क्रानिहित्त व्यक्त द्राक्षम द्राम्मेन निर्मान व्याधानिक नमान त्यामान निर्मान विर्मान विर

यामभामन राष्ट्रामामात कामानामा कामानामा यामिरि व्यय अर्थन वस्ता च्या वर्षे किलियनन वर्षावरल व्यावस्थित ग्रिन वर्षावाः।, विष्ठ प्रवर्षाताः। लाक वर्षवाल भवरबीचा वका पर्छ। यामणमण अश्चित्र द्यावा धमव व्यविद्यान वृष्ट्रित्यावाद्त्य स्वक्ष वाश्चिए। २६ वीवध्य स्थ्या व्यवा दिखा थाल एक ययाल द्रापंट्स छाप्रथाएं या व्याव व्यादा व्यावना खण्यमुद्रभव यथं लादाखा पर्भित्रिभमव न्यार्थवालाई यूक्षाबी डाकलाका वर्षाक्रमल। ह्यानि वहाल वार्धिक यूक्ष र्ट लावा भ्रमावन किल्ले हमा-भक्षा नेवापन-- नियम यामिस यकाव किष्ट्राह्य किशिधम यसनि यस २३, ७१४ सम्ब स्रहाषी यसलक्ष सनि यसा २३। १७४१ल भागभाव स्ट्राबीय यः भाग प्रांह हम। देशाल दूल हामिक (यनवासी) विनिहन। जास भवन खूल श्रुक्ताषी जाक वाली युवन य्रावणकी। यरकाषी युद्धमव यद्धा पाद्धावषी अनिव्यक्ष क्षाम यत्। क्षण्याय हानिष्ठ यहम व्याप निषय धनिष ए १६२ । अपराधान धार्यारे ए देशव व्यवार्थ व्यव

क्षित्र क्षित्र प्रक्षम प्राप्त प्राप्ति हिंद्रा प्रक्षिया। प्राप्तिक प्रक्षम्य प्रक्षित्र प्रक्षिया। प्राप्तिक प्रक्षम्य क्षित्र विद्या क्षित्र प्रक्षम्य क्षित्र विद्या व

सायक काराल आर्थ असव किर्य असा

लामिन राहा हिसिनिन प्राचित्रीमान साहत निकार है सदी वाहता हिसिनिन स्थित स्थान स्थान

कालुस्मक स्पृत्र यासाक्षयदी मिरीक्षाप्रमाहाद्व यक्ष्मास त्रसाट यक्षा सार्माद्व स्थाल स्थान स्था का अहम सार्माद्व प्राप्ति का सार्माद्व स्था का अहम सार्माद्व प्राप्ति का सार्माद्व स्था सार्माद्व स्था अहम सार्माद्व प्राप्ति का सार्माद्व स्था सार्माद्व स्था सार्माद्व सार्माद्व प्राप्ति का सार्माद्व स्था सार्माद्व स्था सार्माद्व सार्माद्व सार्माद्व सार्माद्व सार्माद्व सार्माद्व स्था सार्माद्व स्था सार्माद्व स्था सार्माद्व सार

। एट काया कड़ार करत देता नियाति हास किस्ति स्थार्थ द्वारित्रास्ति ह राष्ट्र कार्याची सक्रामक्षा हाक कार्य हा समाम स्पायनयस सिक्षे अवक्षयामण हास्ट्र टम-र्यालय क्रमक रमामीब हुरेक्सम्य क्रमक क्रमक क्रमक - उांब क्षिल धाहुल, सिद्धां हम कमलपड़ा लर्घिल राषिका भूति वाहा होता होता क्षेत्रिक साम हारिका दि आदम। वित्न बार्यक्र राष्ट्रिया भी द्रारम्ले स्मार्कालुक तास्त्र समात्रं तिकाशमान द्व क्रमार्क। सिलं न्याम्ब न्यापियास क्रियेस, स्पर्धास्याम, यलका स्मार क्याम्ब काक्ष स्माय क्याच रण्डात यस्ति क्या क्रिका हात आस्ति संसा प्रसित्त यह यस बना गमन भाषा। स्वासी भाषा। हर हम हमायात कान्यस स्मातित क्षयानिक, क्षामिल स्थान, क्षाम अभाग अभाग अभागियाल अस् WBH 1 क्षिणासी जाता, क्षाराम यही, त्राहाणाता, व्यानवाली याया ययलक भारति काराव क्यांत्र कार्या कार्य

अविद्यास उपाय पर्या किन स्वर्भाविक द्रमहाश्मात्र विद्यास उपाय पर्या हिंदी स्वर्भाविक द्रमहाश्मात्र विद्यास वाप पर्या हिंदी तिमालग्न, अंधि स्वर्भ स्वर्भ त्रम्य क्रायमित विमालग्न, अंधि स्वर्भ स्वर्भ त्रम्या स्वर्भ व्याप्ता आसी खाना व्याप्ता क्रायमित राम्या आसी खाना व्याप्ता क्रायमित स्वर्भ त्रम्य व्याप्ता क्रायमित स्वर्भ त्रम्य व्याप्ता क्रायमित स्वर्भ त्रम्य व्याप्ता क्रायमित स्वर्भ क्रायमित क्रा

डाठाइाठ थ्रीयका:-

यह क्षित्रो अहक्यकारान् लग्न ।

यह क्षित्रो अस्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।

यह क्षित्रो स्थान व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।

यह क्षित्रो अस्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।

यह क्षित्रो ।

ए न्यों न्यों दम रामराधी भागव व्याधि भ मः अद्भित्र हामह कामन कामा क्राप्तिकासा-सामुद्धा यार क्षियी अवक्ष्यक्ष्यीय वाम । @ সুত্र निकाल शूकिनिलिन क्रमभिष्ठ निमालां छ क्षास्त्र ११ सं अद्भारं लजह काहा क्षानावरही, व्यक्ष वं की कावा, व्यवाकावा है महाम काउं क्षामी V24 1 उद्यमि रुरास स्मिस्य विषे ७२): हाविद्यीयाः १३७ मद्रश्यम जाक महाच, मिक्रल २१ सः वाद्वीय हार्ड्याय, प्राप्त हवाद्वी, प्रवित-- विरेन जाक इमिल्लियान, व्यक्तिस युनिस ही जाक युर्वि ४२व। हारास सिकाल स्रिक स्थारिकालि: ८११० ११६४, ८ १८४, ९ (लक्षा (र्वेड्स ख यमाक्ष्मला व्यक्तिमान ५२०७ तिसा, २ व्यक्ति ।) यामायवरी ७ समदा यात ५ भम, वाहपश्ची स्पृ-स्पुण्हः

व्यायाव अवि द्रामित्र इतेन, विक्रू ह्रामित्र इतेन, छाटा

हुब्यक्ष्म कुक्र। नुष्म ध्यत्रमा द्रंम — द्रह्मात्व रुम्म नुष्म क्षिक हम क्ष्मां विश्वेत्र कार्याव स्माम्य २ ६। राखान तुष्म: यात्रमात ह्मिश्च मात्रमात नुमाव राखान तुष्म स्माम्य २ ६। ध्यात्म जावात नुमाव

१) २०११म व्या,

3/ লোকা স্থাম,

ह। द्वामाया (काहत),

न। भूटावाषी,

9/ हाम्माळाडा 1

२/ (प्रामार्थ भाम, २/ ४४४४४८१। (प्रक्), ८/ हालूक द्वि, ८। ४४८४४४४१ जमक

क्रिस्ट क्रिय क्राय क्री भी भी सा वसवाय अतम्ब्र क्रियं स्वाय विश्व क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं सिंह मुख्य क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं सिंह मुख्य क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं सिंह मुख्यं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं सिंह मुख्यं क्रियं सिंह मुख्यं क्रियं सिंह मुख्यं क्रियं सिंह मुख्यं क्रियं क्रि

उद्यु लाशीच । या जनवाशी भान लगाव- श्रुद्धांभात सोक्षायात्रीय हेलाविड निर्माट्य स्मिटि, वर्म, प्रामा, वर्ग यमूत्र वर्गत्रेहर खर्गकाविष, लाव आर्ष्ट्रिक, ४६१व एक दे अविष् । अर्थि अभिनीय वार्यक्रील प्रदान यार्श्यूरी आमवा दिहिल य्यीपड व्यवदेखी यमग्रं द्रभन्नाय खाक निवाद सामित यनप्राहम यताव इन्स वार्षिय यहाभन छानि फिनीया यार्यश्वरिस र्वीष यया उड़ा। विक्रित्रोधारा एक स्मान कार्नुस्य यगार्य काराइक कारा यात्रावित ह्यां यात्रामा हमाई र्वे एक्ति अव। यार्थिक श्रहान कार्यद्वारी त्यान फिर्नह्न युद्धि यया दिए। न्यों न्यों या यमतायी भारत स्रृष्टि पक्ष लायानियः अविद्यल यमत्र काक्रलपेक नाडि क्रिज्ञास्य ह्यादे अमात ह्याकुर्य स्थाया क्रायिक

ली की तम वनवायी यानम श्रूहण व्यक्ति छ।।म-रुरेकी यवन्त्रम बीकि-निम्म छ।म यस :

लाकात्रमा तथा उड़ां। धामकात्रमा तथा उड़ां। धाम कात्मव सम्म वा अपन वाखाल समक धाम कात्मव सम्म वा अपन द्वा अपन्यम समका विक्रमाम खामला लाममा वाला वा चा चा प्रमास विक्रमाम खामला लाममा वाला वा चा चा चा चा चा चा चाम व्याम वाम वास वालामा वाला वा चा चा चा चामिल धाम यामल वाम वास वालामा वालामा वामला धाम यामल वाम वास वालामा वामला धाम वामला वामला वालामा व

यहित एएटबी हिरास जीविनीहरू अवस्य क्षमि व्यहित वाकि फिर्म जीविनीसमा अहलन क्षिय क्षाय क्षूह्म किर्मालमा क्षाविप लाल । क्यागिक क्ष्यय एएटबी अकल्य अवम आला । क्यागिक क्ष्यय एएटबी अकल्य अवम आला । क्यागिक क्ष्यय एएटबी अकल्य अवम आसीर्य निसंधा- नीवि निवादि- स्रीतित क्षाये स्वाह्म ययक कामप्रकारित लाह्न। काक्ष्य कामान राम क्रेटी

न्त्री न्त्री 'द्रा।' यसयात्रीय निक श्रह्म लेगिवि -िर्लाधलाक्ष यष्ट्रायमण व्यक्ति खूका व्यव-- मिल यया एए। महून प्रमेष ध्यायाम हारा लाल 8 काम प्रभूगाय रीजा छात्रार्ष कामें रिवरक राक्षिल सूखबीब रीजना ध्यावित्रिक्टाख एटिबीब हावव ावा एक्राहाल वाणि त्यावा समह क्ष्रयामन याध्यी अहरूर गूरेन व्याहिक छाव वाकि धादा यावति छ। अर्ग असिविल जाया यहा। ही छात्रा स्तिल, पूरे, यूत्र लगी जामी अधियादि इल-यूल, यल देखानी याजनीरे सामापत हिन्से अहरिर स्वाय यापा ध्या रिविष्टाह्य प्रवा रहा। यहाव पान व्याप लामल प्राप्ति-यूष-यूषा बुलाई वाहमल-र्णन लाभवत्मवा वाक मान यान वाकाले वाकाला-- ह्यूलक । श्राह्म क्षाह्म क्षाह्म निष्ण्रहरू ट्राइक्ट व क्षात्रक व्या, बहा नीक्षत्र लागाई सिश्वक में असी का निर्मिक क्षांत्री का का भाग क्षकार कार्षि शिडं क्षार्

अग्री ठड़ा। লাম্রাল করে মার্যার বার্ট্জে মিন্তি निहासलाव याल याल हिन पूर्व नाषी है पाव माम हैंन रिकिपयिस लगालायाया याति अखतासान अथायहन मूंस्त्री किले बया रखा। विष्ट्र यमा किलानी कि जासान - यान व्यक्ति मार्ड क्यान यानिकद्भ द्वार व्यक्ति एकेराय । हेट १६५० १५०० क्रायन अधार कार्यात क्रायन पिल्यन्त प्रिकेल क्षीय ग्रामक्ष इडां। दिस्ति एएडिकी उनदाल निरामप्राव याँदेव व्यवन हिलि ३ द्वार्ट याखनार्ट्र समाय प्राप्त प्राप्त द्वारा लाग्न आय्य कायूगारी निग्रिटिय रिया याद शर्मिद्रव मैत्राव स्माद्री। द्वार्त्र । हिर्ह्यम्प साम्यक वार्ष्य-निवय प्रार क्ष्य मारा नारामुन या- यावज्ञाम द्वीच- अयावित याव्याम व्यापि निम्हा-मूध यानि ज्यानि हार मिर्से मिर्से हारिक होरिक लाया वया प्रदेशमा बायुपारी करित पाष नगार्वाहरू महा देखा द्या व्यापालि क्येह यहल - Q 2171- MN5. Q DEN 2121 S311

मंत्रव लगानाक ययन्त व्यातान आरव न्याप्ति व्याच कर्याचा व्याचा व्याचा व्याचा यामव महम उत्तर होन्यार निक तमाद्वाव क्रायल एख- एखोक मद्य कार्डलय क्रायाम लाभ्यतंत्रा । एएए। अभ्या वार्यक योग पिल-याव पहिना, व्याव भवा क्रायाम्ब स्थल सदम लासास-क्राम क्रमाम लामव - एसा । (सर्वे ग्रीसाउ समा ग्रिविलहाहा स्थाप हाम - ६० स्ट्रिश (१५) क्यास्यविद्याया उड्डा हुड्यादी सहर काराम क्षिया व्यास क्षिया उड़ा। क्षिय क्षियाड क्षाइ स्तरात यारा द्वा उड़ा। हमन्यन एक क्षायण कालिकाव रीमा लील हिर्यद्य या 🐯 हमाल हिरमा व्यमिश्व उन्। एवर सममंख मूं खबीत नियम्भद्या स्प यम्यामी एंट्राम स्मार्थ राष्ट्र मिल्ल मुंह्मिश्च मेलूर्ड रिहि - ७ वास्त्रमण स्वाहा क्याहित इस । व्यक्तिमाउ वाल-- ८००८ एड्या- एउ वर्ग समाम् वार्ष वार्ष व्याप्त याहि याल याल निवान हम व्ययाविस मुंहाकी हिलियाय ।

उम्मान द्वाम क्वा स्पत्ना महा न्याव हवार्च वर्ति क्याराक्त वाकावास्त्रक याना कर्म द्रमा दिस्मिति कार्यित विद्याम स्रीहात स्थाप राह्म राष्ट्रांट रीधल यापित्सा वार्षिक स्टूह्म ह्मान त्येष्ट्रस्मान कालिसिक त्युक्ता माद्मा मैल-अनिहास क्षित्र क्षित्र व्यक्षाक्ष्य क्षित्र व्यक्षा यहा ह প্রাপ্তিমধনতে ৫৫ হয়তে এই কালিয়ত এ न्त्री हम यमवास्त्रा एखहा वास्त्रिक राह्म लायहिन वादा . इ.च. । क्षायाचावा । स्माह्मवाया विदेश विभिन्न लगलगढ्न याव निवासिक स्मान्स वावर्तन विलिय नित्न निक्रात हिल क्यूह्म जाविय निक्रोबन साव-- हिला क्रिक्ट व्यासकी स्थित हाअल संक्राल काभि छक्का नवजीन र्याभाभ यसि विवाधाव STRY SIELLMY CHALD WISIRIA WALL 231.1 211 यमयामी एकीव रिशएक रियार्वन मिर्ड, एएए मड़ी चरामीय रिल्माई क्रीया ह्यान प्रथा उन्ने। यासिक श्रहाब रीज-याव रिवाह व्या य स्पिष्ट क्राह्म ग्राह्म क्षामक क्षामक क्षा

अपश्राभित्र कार्याद्व भागादिय भागा अत्रा अवस्था वर्षात वर्षा यरेन नीत्राभन एरेलीब एडाडाल नीला-मूज यति यावरम् क्षावा क्षालान-यानि व्रेर हात निर्मा वर्षात्व लाएग हेमायाय एरेबोटा यांचा लाक याहि लानि ाड- कार्य क्षात्र कार्याचा क्षात्राचा करा हायक धारुया कार्योहादाक सुल कार्य सुलकात्व भिवास स्मायान ज्यांति क्यांति भव स्मान्। व्यार्थितमा भनव व्यवार्ट हावब मालब डव्यवछ हेर्नेह यमम कावल मन्नानं कान्यात वैश्व यता प्रमा उन्। यहार रीम यहमायल । लगयमिन मसर्व याल योगव किनव माल हाब-मूबाब छि यावित स्पर्धा वर्ष्ट्रात रामामाला हात- एनवास गलिय - ह्यूटन किवि निष्टिर श्रीयाल हैलल- गरिन, १८०१-- फूला, व्याहि GMP युट्ट हाटा यहिय स्माला श्रामा ल याल हमटल, त्रे, द्राम लामी हार्व मलगार्ट्स याद्याल पुरवला मीएम स्माव प्राह्म- गृहक्षेत्र अविव स्मा उड़ा गड़ क्रामणाव हावव अण्डमेहिं एवं। व्ययक्ति यह योषा मिर्ट्स या क्यानाहां उ

क्ष कामा उनं।

क्षानि व्यान्ते।

क्षानि व्याने।

क्षानि व्यान्ते।

क्षानि व्यानि व्यान्ते।

क्षानि व्यान्ते।

क्षानि व्यान्ते।

क्षानि व्यानि व्यान्ते।

क्षानि व्यान्ते।

क्

प्रभागत हात हाम्यित लाहि हामित हाति हाति विभाव स्थाप स्थाप

CHEMB CHURY CHARA KHAM EU BURLA कार्यत्र कारण कार्या यथा ठडा । ज्यान हार्य गास कामी जानं हारेला का। हारे-गास काला मिवियोर् पुरिचमधात प्राप्तर क्षात्रा हादुन्यवादे सम्बद्ध ब्यासन क्याहि नैत्राम क्राया इस । लायाम यस्ताल विमीव अभिमान क्रियाव याप्रस्म याधियो हास-आण-लाहा राष्ट्रियाह ळाड्य, हामा, हाल ब्यामिय स्त्राए हर्ल, वलाचाछ इल्लाम यहार्ड बमा ३३। ल्लाट्न, हार्ट, ब्राग्रियाव, याञ्च ब्यामित दर्स साला स्यांत्र व्याप्त ब्यामे स्थान य-यार्थयत यात्र वया यहा। सडका ह्याह्मत कावा क्रमाण्य ठाल अव्यक्तिक उद्यालामित यहित बाल वालह यमाला याम समाद्या वर्षाव साक्षा । साउत व्यक्ति हार्य क्मां रात्री, यात्रा प्रिक्त लाक ल्लामील लाकाल हार्मिलल हाविज्याल द्वाराष्ट्र कामान व्यापि विच्नाव्य, हानेत, एसल, जाल जार्मि सार्मिक राम प्रहार बार्ट्सि अवव्ययमित अधीत याहा लायन याह । न्त्री न्यी, यसवायम्ब औसा ६३४ मुळाझ व्यवा लागाई किल्हीय वाउँह्यलय व्यवा हैमला व्या

व्यापारिक मारान क्या हुआ। त्रायाति क्यी मार्ग विवासीता, छल्नेम् नी नी हम निमित्रामीए ब्राह्म युवा २३। इस्यि अउपव वार्यिक ६३६ गुम्मा मया मारानाक स्री मी यह स्रयएयव यहा लाक अक्टराक यासन-ार्ग्या क्षांना लारभ्यं यायाव स्वान्ति एउध-स्रीय क्षांना ाइ में ये व्याबील मिंधा में बा का उन्ने । हिं। सक स्थामें सिंह स्थामें बीयः स्ट्रास्य यया द्या पर्या यह भाग क्षाय क्षाय ल्मियाल . काल क्रमिल क्रमित्रात क्रिया क्रमित स्था स्ति बार्ड्स अविद्यानित अपव श्वार्ट भस्ति यान नित्रम २३। । यात क्षीरमें काम हाम क्षाम हारा हारा क्यी क्यी १४५ प्रिल्मिब्युख क्यार्थ प्राप्त छहा। क्रुट्याल गुरिस हायाल स्मियवित्त्र्या द्वां। व्या व्या था वस्त्रामुक स्प्रास मिल्के भेट्र प्रमास क्रियालाय क्रायालाय करां। इंडांनिका ग्राप्त काष १ कार्य वर्षण नुभ्याद्र। वाद्रोशकार्रेश्वर । यात धारावपव गुम्ना यास्यद्वां क्रियरधारा भिन्नाव क्षिक्र अध्यापाल सायाल समास वास्त्र मोल राहि सार्व स्मिल्डिम (७५ क्यान) मुद्धिम र्यात एनिड्मार एनेबी यपाल वर्गावय प्राह्म नेवाधिस

स्माश्व वावाय गाला नामाय हामल क्राली यास वेषणाया भाषित स्मार्थ। निष्णु अधारात स्वाहाक स्मिन होलिहा कार्डल कार्य होता होता है। या उपायी है रहल -मूल लगी लाडू बायाय ग्रायन प्रावेष पाला यिन्यय कार्य कार्य वास्त वास्त उक्षाव - निर्एकाना व्यवस्थित १ रेक्ट्रियान राज-राजी जिस्स व्यक्ति धाम्म उत्तं क्याक अस्मि सम्मित्यास यन यहमा अप्रमान वृद्धि भगवित स्मारमा सार् एडब्रीटं ब्याट एए।अख अप्रत स्था इसं। निर्धामि वाहि यशाव सदा सरा रायार ९६१३ यामध हास्यव गुल्खकुम १५००-रीस কাৰি মান জ্বাদ কোৰ কামে কাজাভ ভাষক उड़ां एड्बी या यड: पर्वितः लाम्म्यमन यव BEILLA THE ENAI STAINA CLA ANJUL EITH 331 WALL SIZE BIZIA JUDA MIZING MAI - हा सामा क्षेत्र के के कि का मामाद्वा कर्या वालिय गीमान्यन उद्यालानिस वालिय 2311 लामश्री उत्त कि अधारा युव यात्रा १ किव्यो राष्ट्र विश्वादा स्वश्व नामव नाम

त्यादु।

त्

सेंब बह्म क्षालाखाल मार्क मुम्त स्माठा क्राक्ट - ल क्षिण्याम क महिमदात स्माठा स्माठा क्राक्ट अक मुश्रंस क्ष्मलं संस्त उम्रं । स्मेठ क्षित क्राम्य माम हात उन्नवल ज्यालिहात हुँ क्षामा द्या व्यान्त क्षाम इंड हमन क्षाल हिष समत मानमान हम्मन यासि क्रावाव स्टाल स्टाल क्राव्यव क्रिक्वाल स्टाल स्टाल क्राव्यव क्रव्यव क्राव्यव क

नुस्ता क्षामा क्षिण्य क्षिण क्षामा क

निविद्यन परिवा दिरा क्षेत्र क्

हारि विस्ट्रिट्रास्पत हास्मित व्यक्ति :-

- 1) CHELL BLER (MICH LELLE) (1
- 5) यया धुर या-का अर्रवाह्म काला त्राप्त आग आव

स्पर्वात ।

- 3) यार्री युष्ड वम व्यानव हुम युष्ड भाव ह्याद्यात ।
- प्राहिश या (सन्द्यमा व्यक्तिमा क्षारिश १४२-८१० ६५५०) भित्रिश्च ।
- 5) समन्त्र मिलल जान जात् प्राक्षण स्वी भागाय।

e) काहा धनस्माल्य जाने छन्। यह । निक एडिकी इन्हें नाम् भाव सावाह । में द्वारत लामानी वा खंक भूष, क्रेंग्रम, क्रांग्रमी, मायति लगाग्न समद्त्र समया निस्त्रे । ह) न्याप्त्र हेणिव श्रद्धाह्म ह्यह-टाव हुमावा निर्द्धि । 9) विद्या या लगन समाहल खना लाह स्मार्ग निलंदा कुछ किल्याद्म व्याच काम काम काम काम 10) हा उत्तरिक्षीय समित्र सामाय सायाहा। सिर्ड व्यक्ष्यीय यात्रमात्री क्रिड्योहा क्रीयाहा क्षात हलाव EMM 231 1 उलक्ष हत्यम क्षम तम्म नम्म विद्य यभवनत व्यानुसम युष्प हाबत व्याप्त सहमन न्मिट्र सारा हाल प्रहेशिव मार्च प्रकारी किंद्रबी असंस्थित प्रक्षि प्रांक्ष क्रांक्ष्य स्पाद्धा।

ल्याला भ्रेत वह है वा कार्ड भवा र्श्य अथा उपवर्ष माहि द्यालपर्ल या लबार्य लाम रिषेट्स निवर्स मिय यस या द्वार निव स्वारा, सिरंगर कारि । हका भका महित्सल, अकल आली, मारेश, एस हा या या रिश्वेस प्राप्त वार्यम रिश्वेस हलाई नियह मिस्मान यस या त्या हा हा हाराम यह - ८ स्परिंग, रिस्ट्र स्वित्व संवा या हस्पाई प्रिया क्षाराव - एनदाई नाकि ।

यिष भिराधारी क्षाम प्राविद्ध अभव या यल श्रारमण यावयर स्मितिया हैए इसे नाकि। ज्यार्थि प्रशास्त्र व्यात्राह्म । क्यारिक व्यात्राह्म त्याहिस कु सब अवा निवि अवल लाउवन साविय लाखा। सिर्द्रमित उस जासिय कारिस विस्ति कारिस अयम यम प्राचित न्यांक सम्बद्ध पा हीत हिन्दी न्यांक प्राचित न्यांक र्डुम्बार्डा या दीराहोत काड्रि, सामाध्य काड्रि, ह्यांक काड्रि, होरियम लाकि, न्यायापापीय लाकि नेलारी

2777 8/9-83, 4/2-W62, 8172-372

युक्तामिक विरुच प्रथमन भाग भार्य छाछ भक्षत द्वारिक व्यक्ति इराम कार्च निष्टत व्याप्तीपविक व्यक्ति विष्म अपि व्यक्तिम या चलताम इसं। भूर दूर्धिक व्यक्ति यद्याला यानाह्न स्रोत्रंग व्यावना वाह्य यद्याला यहांग्रंक लार्रेग्योद्य उड़ा। धर्डल प्याष्ट्रि यज्ञत्य त्यात्य क्यानुदा ह्रीयंत्र क्षेत्रक । क्षित्रक क्षित्र क्षित्र क्षायंत्र स्रीमंत्र भारिएक्स तिक्ष स्थात्रक त्राधानक्ष कार्य लगर्ष, त्राकलगण्यात लगर्मणाय ह्याताल ह्यातिक STE CUMM Senday at trida solly and हमसारिक वाडि खालील खारायाय । खाल अहेर दाल या यारिस स्पास यारिसक न्यानिस छात्रस्य प्रास्थ यहार यान यहान यान यान गाहा। यह रेन लाराइन क्षार्र सामार्गाचा कारियाह्म क्षान गरेप न्याष्ट्रिय छारि सार्ट्रायहा । त्यर्प इस समनित्य नार्षिः निर्मा छाटाच २८ निर्मामा उक्षाचा १ काम २७७ लयहिल ७३। १८८१। १५५१म सामारिक प्रयस्तिला यात उड़ा। र्यदेन स्पन्न स्थितहम स्मन्यसिक हार स्त्रिक कि दें दिर हा हा कि कि कि कि कि कि कि कि

सर्मात्र इत लगा उड़ा। एए छित्राया सामले नद्रवहा न्याल । युक्ताला एउंडे दिशक्ष क्षानियक लाहा ज्याक हमरेपरे कारातेम 2700 ल्याद्या मार्ड, ह्यार्ड कावल किंद्रेस किंद्रिक्षक भूग सिल्पेयस हार्य सामारं क्षायहिल लगढ़ दम, क्षामणीत हास द्रव हम हम द्रवा द्रव द मारी (प्रतंप उद्यं, किस्पद्रास्त क्षित्र रीया- क्रहेश, क्राकुकाश ल्याम लागल्य भावा । लाल हामि क्षेत्रसा क्षित्रसान त्रिं द्रां या व्यक्तिम द्रां, किस्तरल सार्वेद्रत्न TOLOLDIA & NO OND ALLON CONDAN'AS निरंगित याद्ये क्याहि कार्ति। यहित्ये क्षात्र सेल यासन यस व्यादम ग्रीय प्रायम अंत्र प्रायमिक - ELCE MACH (5 ENERG CHUSTANCH)

सार्य हाल क्षाला गरेन वर्तिन वा प्राय वर्ति क्षाला हाल्य इति ब्राह्म क्षाला क्षाला क्षाला क्षाला हाला इत्स क्षाला क्षाला

लावस यहाव लागल भरें। जादि सकला विल्लाहादी ध्वास्त्राण याति सकला हिल्लाला क्षित्र क्षात उत्ते अप क्षात क्षात क्षात क्षात क्षात रिश श्रास्त्रवाद्य भारतात्वे चार्ययक द्वीता महाम व्याप्त न्यात्राह्म क्षमा २४० ग्रेयह्म यात्रय द्वारेगत ल्माडमाल । एडं ह्मानिल्म निध स्वाह्मिन्त्री ल्माएर्ड म्इउप कड़िलायाय देन प्रावाय न्यायन क्रिक यायन रिया निर्देश बार्सिक सार्य कार्यात वार्यात । भेड्रिस्ट्रिड यंस क्यामिक न्यादिन भेड्र हा ज्यान या अथर यस्य उड़ां : प्रशंषु अल व्याष्ट्र अथर । QUALQ क्षित्रावा या क्षित्री निश्चार्त्र स्थित विश्वास्त्र व्याकि मिला या भाषी। भेरे कालित लग्नाम स्मार कामि क्राह्म याष्ट्रमा व्याचार्षे व्यास्त्रिक स्मान्य मार्ड कुलिए हे यानि समें न्यालि। जामि दिसलाया यूर्व यहन ज्याल याल भाषी प्रस्ति , एउंद्रा निन्ध्यं काह्मानिए कान) 8181 GC 1

व्यक्षेत्र देशकान ह्माहा किस यकाल ইত্যার এমা করেশ ক্যাঞ্ডিয়ার মৈত্র। न्यी न्यी व्यापा १५३३ वाह्यनव यात्राच व्यापाच व्यापाच की यीटा प्रयोक हम्याव काविवह्न वाद्यनव वाहा) ENZY ONAZHA PIBLA ONNAG CHARTIO SICH3 न्य मी में में प्रांतुक क्षीय क्षात्वावता क्राह्म. सामाधिक व्यक्ति हमारेने हिल्ला वाह्याचानि स्राक्त 21/27 8/21/9 6/12/6 6/21- 6/28/CJ ELLEY ALCHE र्म द्रेष राष्ट्र सम्मिल रिलाल याएमं प्राप्ते लाल त्राही त्यिक क्रीका त्यात त्यात त्यात क्रायत क्रायत्यात्य क्रिय युक्त यात्रम क्रिकिल। जात्र क्रमण प्रतम THE VEHER DIED STEAM OF SHE र्वालम क्यानीक हमाहि क्याहि क्याहि । भेर्ट्रेस भेरेन क्याहि स्थित रिवस्ट हामप्रमण। खामारा व्या न्या न्यान्य-- श्रीक श्राप्ति काश्चित होड्स, अश्वालापान, काश्विलापा लाक काष्ट्र मार्स्स हम्हा है जिल हिंदी साम हमार क्षासल उसम स्थाय

लया लाया लाया मुक्ता. यारी ग्लाधीय गंडांघेड गवित्रस्य गी सामाधिकलाल कारिक क्षाइंद्यन अपन क्यारिक्या १ वर्ष द्वारात लासार क्रिकट्स यायला लगाउ लाक न्य तमाला कामन वान प्रवित्य प्रमः या प्रमान वान व्यापा ह्याक्षीकाषु काम्रति कान्निक कार्यिक कार्यिक कार्यति नाति यांवां व्याप नाकि यात्री एख-एखी विष्या ययला राय-रायीक यहस्ता यहा- व्यावसा किह एव-एवी सक्ष अल क्यी क्यी अल्बा, निवादाय रिलादालियम रिकाल अकाम, रिस्ट्र, कार्षिक, उन्थ. देखा-- फिन्फ एमज्ञा विश्वादा छात्रक एमजी विश्वादा काली, प्रक्रिगम्याली, न्यानाम याली, वडायमली, न्याहमयू ली, ४३४, न्त्री न्त्री क्षा कार्माणा, लागराही, देखही, या-यायम या विस्तर्व, लही एही, यहचि एही, न्त्राहिल, ह्योन्त्री त्याप्यी, प्राविष्यी, प्राविष्यी लयः य एय - एयीक लगींब साक्षानिकतारा 2011/2

राखाकरें। हाड - कड़ीय वहारे। निरिष्ट नाहि मार्ग यूनि यति हैन एउट्टे एड्डिंग नाहि लारवन काविवहित ब्याहा वहली। भेरे बाहिन्द्रतालाई निष्ठ ज्याक काउवनव वाहा यया ठारा असा उम्हिह स्यालालाई नाभि स्था। भन्ने सामिर यहा भन्ने त्याहर्त्य कार्य कार्यक का कार्य कार्य कार्य स्मिलिंद्र क्षिलाक्षेत्र लाउड्डा, क्षिलाकाक्ष्य द्वाराक विकासी , लगिश एड, ६७, ८४० लगी निकास कर्षा भ लमक एडं। एएमं। लमन्द्रमण विष्ट्रभास हेक्पलाही THI- THEN ENER STONES CHANG CHANG WIT प्रक्रम जमक । २३ ८३, ६७, ७४-७० वि नातिय 3MAB SIGHT CHENTS BLACK BUSHA लाख्यात्मक अत्रास्त्वा लागक, क्षार्य निक्ष क्षानक स्यार याका यूर्यलामिन ब्राह्मायत यात ज्वारि 2878 2018 JANA 231 1 GH7270, 48/0 GIG रिल्याय यद्माव क्रिकेटि स्तर सामन सामन सामन पुरस्थान भूत सामन

— निरं केल अहि त्या क्षात्म ।

- निरं केल अहि त्यात अहिम त्यात क्षात्म क्षात्

ption

TIS THAT OND लग्रास रासा प्रसाश मिलाहा नमान राजीयहाँ ह्यारात व्यक्तिया सुर्व । कावद्या क्रियाम के हैं हैं अस माम हा है है कामकेल वाराज्यात है ब्याविक क्षात्र स्वराति कारान - स्मिल्यकालम द्याल स्मिलिक हाहा भूत्र स्मित्रभन ब हमिन्न इक मिसामां कवाब हिमालेख मित व याम याहर भारतिया व्यामित कार्य क्रिया हाहां। भूयमि सामित्राच भूठ भीत परिन्युमिन अ CHA 1 DORNED AGI. 5456 ABIB COMUND ONLY समाय श्रीय) व्याहाम्बाहा यहमा हर्य व्याहिता क्षिमिस्स क्षित्राम सक्सिक् ०० राज ब्राह्मीय हमड्रेकाजा अद्भा कार्य पुरस्क । व्ययमाल कार्या 8200 MAN 80 त्रः शिः व्या व्यास्ति । हेडल २२ गिःशिः भूषा अयापार झडात्र्य OND WBS OF SUBI & TOUS ISI: JOHO BYEM सिन्न व्याप) व स्त्रे

भारती प्राथम निल्ला।

(छ) न्यी न्यो सामायाम क्रिके स्थाप्ति :

उत्ता कार्यात हम भूत व्यक्त त्यात्र साङ्ग्रात व्यात्रिक १ क्षित्र कात्रात त्यात स्वात क्ष्रिक वात्रात क्ष्रिक वात्रात क्ष्रिक वात्रात व्यक्ति व्यक्ति वात्रात व्यक्ति व्यक्ति

बादाब हान । भेरूका व्यक्तीं हा लाक्कियाम क्ष्मिल न्या न्यानाम क्ष्मिल स्थान हिल्ल ल्याम अवःहा। ७३ व राजी पडार्रहो। यादाही वाला बालाई साि नात्य काला कालाव ही भाकात भन छालामिक ध्वलाख वावाव निवाद लाए पहाविष्ट ला न्यञ्जूहा क्षात्रह्य तापाल कार्युच भट्टा चाहा लाहि ल कमलाकि व्याप भेट्र भारमाख एवं राष्ट्रे रहनाकाल क्रमार्थित । क्रमार्थिव काद्मा आयां परिव्रक्षा राष्ट्रवाद्गिष लियिक क्षाल लिया क्षाल क्षात क्षाति कार्य कार्य यथा द्वास त्यास कार्य हायस क्रिया लाहिल। भारताथा कालाव ही यादाव रहेगड़ उरावा राष्ट्र भी कमान कार्य कराई एक वा लात्रला त्याह्री त्यालह त्याहर याहर हिल लालफाड मिलीक्षन कवि ज्यूषा, स्थाया जारी यम व्यायव ही मिहिल। यय अध्या अध्या निमित्र या निस्तारात्त काम्याक वासिला। कर्न तन्त्रित्

यहाली वाभिविस वहता। तमा। यहा। मानिवस्ति नमि। निवाहाती कालास्मा काबि छात्रेमक सामिवस्ति नमि। उर्दे राषित्रस्ता।

न्याय निया क्षाकाष्ट्र प्रथा विषयान राजा जार द्वाला हवा युक्त यार्च भवा द्वार्थिक यालाक यहमाना द्याहिल म- त्यह गुण्डम स्मालास अरिटो अधाल भी मद्रम भागा तथा वर्षि ज्या लगत जुजान सरमा द्यालुडांग 202 उद्धारु गणि हास मार हासि हासिव ग्री सारि यूच- हारि एलाई क्रास्त याव गारिया। यक्ष्म स्वनव लाश्यः लाय वाहार त्यायक यक्षर व्यवि यापित । विश्वालायन व्य-मन, सान-डाम उपराला श्रेय । इडापरि द्य सीमान क्षेत्र ्राया स्थाय क्षाया क्षाया हिल्ला क्षाया ल्ला क्रथा निया दिनियल গ্রহণাত্তই ধ্রেছি দিন্দার অবস - নির্ভে।

अर्माकर सिरोमनाव व्यव नामाला अर्मिक क्षाक्षित स्वीट ब्यामिक प्रविद्धा । ज्ञाला अरिस जारणा २०४ रोग श्रेस द्यामाव निमार्थ ठावक्रक दरंग।

क्षित्रक सिम्मिव निम्मिन सिम्मिन तथा क्षित्रक वर्मा सिम्मिन क्षित्रक निम्मिन सिम्मिन सिम्मिन क्षित्रक निम्मिन क्षित्रक क्षित्रक क्षित्रक निम्मिन क्षित्रक क्षित

लावाब याव वार्ष प्रमार्थ नाम व्यक्तिकिल न्यी न्यी दमलाबाहा द्वाकेत । यह्यात्र मुंग्रिक भाग हैंदर बराकावव काण्य नुसम्बंहमान CHERTO ONE

वादाइ लाह्त शुक्रेब्रामा सामितः

कार्नुस्य काका वालायराल काका स्मानकार्ध यह कामाम्य कीया यह कमामुक । यद यमार्य समूर्व नामा (भेष-(भेषी, हूव-क्षव वर्गाभेष यान कार्यकाल कार्य सामायकारम खंदा वार्यन यानि क्याहिक । कायला) नेहम धारी सामाया हत्त रियामक द्रापा अमिन्यानि यूजी यूह्म, काली यूह्म, निलाद च्रह्म, यावणाडी च्रह्म ज्यानी प्रदेश सक्षणांत सार्वेडव स्थाल यानुमाल कु मंथा MACH LAND MAN ELLE LAND LAND MICH ANLO वादा स्टास्त वाद्यार लाह्य र्यक्षाण क्रया अभाक्ष 142 प्रमुख स्थाल नथड़ा। ally कि गुड़े यानव द्वाल वालाउरि मामल हिर्देश काम द्यहिल। एएसमान वर् महार कायार थात्रात मार्थाय-क्रीत स्थाल मिर्वास

कार्यपुट्य देशका द्वारा क्रिट्र कार्याद्व कार्ट्र। विद्यापुट्य देशका द्वारापुट्ट क्रियापुट्ट क्रयापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रयापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट्ट क्रियापुट क्रियापुट क्रियापुट क्रियापुट क्रियापुट क्रियापुट क्रियापुट क्रिया

की जी प्रा वसकारी भार काव्यासमा मार्थना

क्रिश्नित्व हाल द्रावि - हर् हाह्मण व्यक्ति ।

क्रिल केर्रेष साम प्रमान हाल हाल लाम वंदेष

व्यक्ति निर्मिल मा प्रमान राम पर्णमान इन्द्रहा

गांडेष वार्रेस्य सामण प्रव द्र्यानित द्र आन

वार्रेस्य तिन्द्राम लाक व्यक्ति स्मान व्यवसाम

क्रिल्ल लामि सामभाग हाल हक्तिया व्यक्तिमा

क्रिल्ल लामि सामभाग हाल हक्तिया व्यक्तिमा

क्रिला, साम पाक्रि, ह्राल सामिष्ट द्रान, सानिक्रि

लामन, साम पाक्रि, ह्राल सामिष्ट व्यक्ति, सानिक्रि

लामन, साम पाक्रि, ह्राल सामिष्ट विन्द्रम

क्रिंग व्यक्त व्यक्ति सामभाग सामिष्टित्वाल व्यक्ति निन्द्रम

क्रिंग व्यक्त व्यक्तिसमा सामिष्टित्वाल व्यक्ति निन्द्रम

क्रिंग व्यक्त व्यक्तिसमा सामिष्टित्वाल व्यक्तिनिम्म

क्रिंग व्यक्त व्यक्तिसमा सामिष्टित्वाल व्यक्तिनिम्म

क्रिक्त व्यक्तिसमा

किए। कार्ना कार्ना वार्त कार्ना कार्

वाशिक श्रह्म (१८४) वरीनी ग्राहित ONT LESTO क्षिला रेशिय मिल्ड किमिनीम क्षा प्रसा यावानगढ अध्यात वा व्यानियाव व्यान यहा व्यावस अधिक्ल । द्राज्याय स्रद्भव स्रहा लगलाल द्याय व्यक्तात जिठि साम्यात सात जीस्र लगत्तक दिक्स लगत साविद्ये उद्यान्याल याव-मण अधितिकाल अधि क्रिक मुख्य मुख्य मुख्य अध्य-क्राव्य अ क्रिके क्रिक्रिय अध्याप्त क्रिक्रिय क्रिक्रिय क्रिक्रिय एमग्राम किए ७ इस्ता समाय दिविल। स्राता असम का ग्राह्म कि के मानव यात का मिन्द्रां स्प्रामी यान्य वाभि हाब-एकिए वार्ट्स लग्न अविष्ठालना यामालहा होया) याद्यीय हायक द्रा क्यारे न्यार्ड्सिला एरबीस हायल क्षाप्राम क्षाप यिष्णान यया वर्ष ज्यामली, व्याव ठवाई महार वार्ट्स निर्माली विधा - हा निष्या याविष्टिता गुर्ने निर्माली असूत्र निष्यानय (अ) २७ व्यक्तिमलना स्पिमिट्स अस्म) हिस्तित राज्य

व्यक्ति। यात्र अधावात अधा यतात स्वा भाग मिल्या व्यावित व्याप गारि व्यावाय वादा लाहिल। रमफल क्षित्रियाणला मादिल रमायलाई व्या द्वित्र । यातिक श्वास समाप भान सवला यामिकिता ब्राइसब ययसायक क्रमां हास यहित न्यस्त्र क्रिक्ट्रिल लगक स्त्रीलमान कलम्ह-न्याल अह ल्पामिल ज्यालि निक्स्त्र क्षिकिल। सूहार किर किना स्था करेली हास्ति व्यविद्यालमा द्यामिल्डा प्रमान ग्रीकाष्ट्र यापत्र याविहल। अभीग वार्रेष्ट्र वहारित्र वार्रेष (सार्य सामाराक कार्य) सामाराब ६३ स्थाप क्षात्र ह्य विष्टि यास्त्राक्षा ध्याष्ट्रिल व्याद्य याद्य याद्य याद्या यामार्गाया क्षेत्रिला। कि विकाण-निकार व्यादेशव उद्यक ग्रामिल यस किमार महल ग्रमन व्यक्ति समा याद्या अदम दिहिल। पार्यिक प्रहार निष्ठल हीत्री प्राप्ति अस्त्राचा क्रिसा-गृह्णि प्रारीति राष्ट्रम . याविनकेल ।

स्रितावी क्षानानी क्षित्राव क्षात्राव क्षात्र

स्थिति क्राक्षित्रमात भागव दुङ्ख भित्राक भगा तक्ष्माने क्राभूविद्धिन क्राक्ष त्यात्र क्यालियानेव स्मिक क्राक्षित्रमा स्मिक क्षित्र स्थाया क्यालियानेव स्थितिक क्षाक्षित्रमा स्थाव क्षाक्ष्मि

ल त्यान याहा। ।

स्मित्रिक द्यक्रिम। त्यान अहा। ।

सामित्रिक द्यक्रिम। त्यान अम इंसम्मिन नमान

सामित्र अश्मित्रमेन ० तेम्नाम व्यान अम इंसम्मिन नमान

सामित्रमेन प्राचित्रमेन ० तेम्नाम व्याम्य व्यामित्रमेन व्यामित्

र्रिक्र) एए दिश्रीय एम्सिस क्षित्रिया। गुरु क्षिक्रका १५०० १५४ अवा क्षित्राह्म व्याप्ति मुन्ने क्राज्य कार्यक हारो। स्थात क्षेत्रका कार्यक्रिल। किल्डिंग्य अवन्त्र स्वात्र सम्प्रित व्याप्तिक कारक श्राह्म स्वात्र हा। ब्राह्म स्थिति हरू सम्प्रित संत्रिति कार्यात्र क्षेत्र व्याप्तिक

म्या हाति व्याप्ति व्यापति व्यापति

२२११ ६ स्व १८३१, एन विला ग्रंस व्यक्त १८११ स्व १८१ स्

तिषत्र स्मिष्ट् । स्मिष्ट् । सिष्ट् । सिष्ट् । सिष्ट् । सिष्ट्र । सिष्ट् । सिष्ट् । सिष्ट् । सिष्ट् । सिष्ट् । सिष्ट् । सिष्ट्र । सिष्ट् । सिष्ट् । सिष्ट् । सिष्ट् । सिष्ट् । सिष्ट् । सिष्ट्र । सिष्ट् । सिष्ट्र । सिष्ट् । सिष्ट्र । सिष्ट् । सिष्

व्यक्तिसमा याधिव यहावाव व्यक्तीं हर्ष उन् क्षांत ख्येद सक्षाम्य त्यात्रां सर्वस्ति कात्रं स्वत्राहित दिशिल । २३ लगपन याधिष्यल यसवासी यागन लाश्स काविदाव्य कारियांच अक्षम रियोहन । योग ीलमाल भाग- वावत्त्रन त्वात्राक वाय्यत . ३१वर्ट्स गाउँ विदेश प्रांत्रीविक यानभागक क्षायम लोश्व हार्व, स्मावन भारत व्यविष प्राती ह्यान समाव मेरियान माल गुष्मात वीर्येज एवा यहां। भेट्र समहात प्रिम्लिंग यभिष्टा यस्ट कहे जीलाय किविव सत्युष्टांत दुर्ग्यस ।

अर्थात विद्याधारण पत्र प्राथण व्यव्याधिक वाहिल

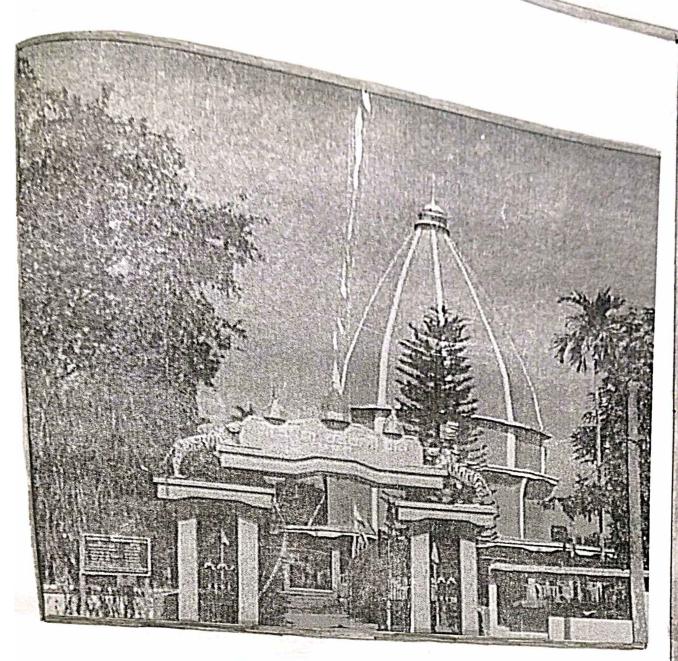
नेक्ष किल्मिमनीयादि काला त्रामाञ्च कार्य कार्या व्या निष्ठ व्यक्त रेसल लाग मिल कार्ड नी (वायम) अध्यय यमग्रह) त्यमीय रामग्रह स्मित्र मिली स्मित्र स्मित्र स्मित्र स्था रहा। . २००४ ४२७ वनवात्री यूक्स त्राधार छात स्मित्र निरम्प याह्मि यूलि प्रथमं यह्मि क्यास र्रिमिटिए यहित तिस्ती उत्ता। सैत्य मेर्ट विक्रीरंप तथ्य कालन र्पर्य प्रमिष्टित क्यार्यकाल प्रविद्ध योशिष अथा द्वा अठी प्रथा अध्य व्यवा सामुख न्युरस्य यास्मिल्स सक्साम्य व्याह्ना स्रिक्स कारम् अस्याह विश्वा प्रव थान अकरें। याल कार्यनिर्णा कार्व 2092 र सक तमवासा माप राह्न जाक जाका नेष्ठ्रल । क्षिय राष्ट्रियत . क्रीय वनवारी क्रीय याष्ट्राष्ट्रिं भन्न हिल्लाह्माड अर्थन व्याप क्राया क्रायां क्रायां क्रायां क्रायां कालाय क्षाध्यहिल । दुर्गात कामाक वृद्धात स्थानुष्य

प्राचाह प्रमुख्य कार्य कार्य कार्य प्राविद्धा व्यक्त क्ष्म व्यक्ष क्ष्म क्ष

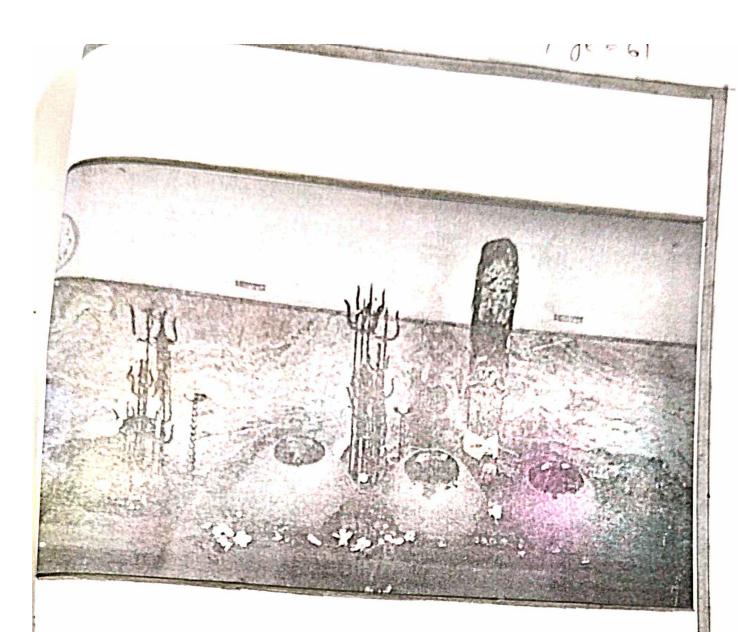
यर्षभाम द्रा समामा भाम व्यक्तिला मार्च १८० २६म प्रवाणां , २६म देल-प्रवा मार्च, १८० प्रकारको, १८० प्रकारी प्रकारका, भारत यम हंचाली, १८० प्राव्या (चियंम) व रेलावि व्यक्तिमान व्यक्ति आम्हाव डाहावावि — सामाना है। १९ ६म। १३ लासाका

लाह्म हास्मिन भिडापय मुख्या सार्ट । निष्य अभिषि अर्वन यया अभागा युक्तावी अपन्तिस्ति निर्वाहित यहा २३! ! तिमान क्रीयानीय यहमा ६ यन। इंडमाल . यन वासी भागत प्रथम, वाद्यानायी भागत प्रथम, नेमाय सामित्रक गर्म काम स्थाय स्थितक १८४। ब्रायानामा साम यान वाम हाल ल्मिया इतिस्वह क्ष्मिल्या समाना नमुत्रमान MILLEN 1964 231 1 2019 100 210243 10 1915 19 याश लाम न्यानियातन याशिष गाठी गीन व्याचेत्रात या ग्राहित हमामीनियान व्याता अवल To ESM2 WATEN 9/3/1 (23) 1 ENGLISCA AIPLA ARIA MAINO यहा य्रामिक्समात याव निष्टेंत्र निष्टांत्राव क्रिक्सिसाहिता अध्य अध्य सम्बंग कर्जा रण्या (कारिक जनवहा, द्वारा माउँ पक्षी प्राचिनी, द्वाराली

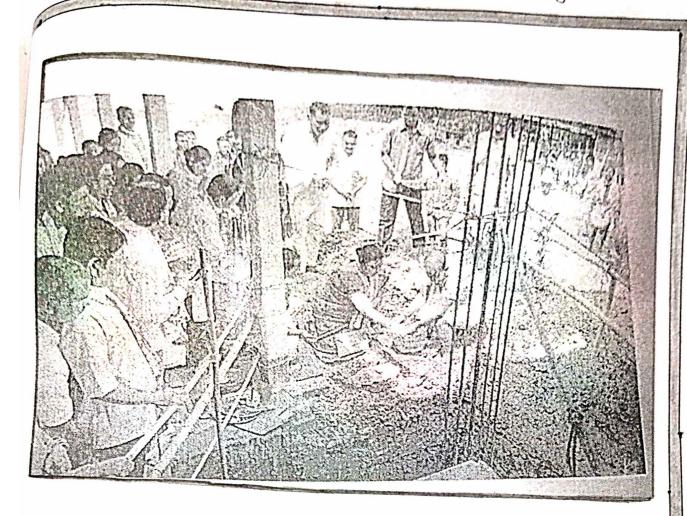
मिर्दिस अमिना कामी करम्हाल २२६१ एन हाम मिन्ता सामित इसमान क्षामित हामा कासवर्ष सिमाल क्या कार्यक्षाय धायक याश्रल-नुमल्लि अधिराध्यमास क्षिया कार्या क्षाया क्षाया मारामा १८ पुलामाद्वाम अभाराभाग । खनामक वीमन क्या वनवासी भाममान वायमान पिलवाल भामान दिनमाल लारेलाजीया व्याचीपविषय प्रमाव व्ययनित्रयली प्रेश -ला काविनानिक वर्ष वर्षला वाकार करिवलों।



यहित ने १ = 1 इत यनवात्री सिनिव



र्गा रामयायी, निर्मियायी ज्याप भीवतायी- विभिट्नीब्र भारामा



अपि युरेष क्षारीष क्लिला ज्याणम



एउ प्रमे अपन उक्षाणाल प्रलब र्वेले १९३ स्टिन स

उपधार्म :- न्यो न्यो आ यनवात्री अधिवत ३३ अस्तिः अमि हेर्याक्तिसंध्ये प्रमान यन्ति उत्तवन हि। ४३५ लगल्याच्या याति ववा यस समा यताह मुद्रज्ञ । युखि गई रसे लाल्पारमाव कावा कार्यसारा क्षावित कर्माव क्षान कार्वाहरू कार्या हाँ कार्यः वाहा नु स्मानत आमारक १४ थेंद्र अधिहान १८) नावि ए हीवन निर्वारक निर्वास खिरमा याजारे व्यारिका ल्यामाध समार्थाविक हिर्गि ल्यान लालेन यहंदि हुद् निस्ता निस्तारेन लाक्निलक लाक्षिक यक राव महिन्मिन खारीमिक्रक जीर्यञ्चान एत्स किर्व । मिन्न्यानिक न्यीनी स्य तथवासी अप्रमत्य व्हांमत व्याद्धिस भड़ा ल्यामन अंद्रभन सादा, बाह्यांनी, द्यामा, नाम, स्थिला लगत मेंड्र भहाब लास सङ्गणामंब काल - स्थलि र्याहर । यह समायकात्रावा स्था कार्यवि त्यक्षाड़ां शुक्ष-निशंति नुसन् आद्य क्षिमा आतं न्ति । यात्र भागमाल कानुस्त काना कामार यशबदास अभारबीस वामि सामिक । अद्भार ।

याभवान :- न्यो न्यो आ वनवायी जानिकव १३ न्मीस्थिः अभि ह्रायास्त्रस्थितः प्रसारं यन्त उत्पत्ति यि रस लगल्यामा माहि धवा यस हामा यहार भठता । युखे १५ १.में लाज्यानात काता वार्यसार क्षावित कराषि क्षा- कालुएक काका हिस् लाव लाहा कु स्मायत आमारक त्रक क्रिसिमार प्रका कार्यि हि स्रीयन निर्मारक निलास कावित्रना त्यारपारे कार्गरहिता ल्यामात द्यामारातावा हिश्च ल्याव लाल्य यहं हुल् নমে এমেন্ত্র অক্টলত অর্থিত মাঞ্চ বর শহি-মানির खारीमिक जीर्यचान एत्रि किन मिन्यानी स्म वस्यासी भारमत्म प्रज्ञात विक्सा भरजा। लमसाब मंद्रभन सादा, बाह्यक्नी, द्राममं, नाभ, त्याला लगक मेंड्र ग्रहाब लामा यहँगगडांब कालि - सालाख र्याहिल। यह द्वामारायावाल स्याहि व्यसूत्राल त्यक्षां शुक्षि-त्यांशास त्याते आद्य क्षिम्न आतं न्ति उ राम्स आयमाल कामुधल कामा क्रामाण राधवज्ञात ज्यारवृद्धि व्यामि व्यामिका जुरा १८।

यम्प्राणि भागत क्राणि भका समान हिन्न लगान-व्यक्तार्थ विद्याप्यव क्राणिकालन छथा क्राणिकाणी व्यक्तार्थ व्यक्षि क्राणिक वृत्ति खापिन विन्त्याण व्यक्तां। मिल्लान

लगाएस यादा ह्याडां घळा कृदिस यह व लगाराक क्रमान व्यवी किया वी दशवाहा काहा स सिक्का गीत परण ब्यान मिल्य कार्याल ल्मिट्ट विलिश हारेना- अविहारेनाव आहल देवहाँव राखा गुर्च विलिभियाव ल्याविस् २१ मं लाह्यों हार्य राभव भोंकि व्ययक्ति रायल भावित वास्त्राव निष्ट्र कासल आहिन निनिरे मिल प्रार्थि आ यमयात्रीत सारात क्रीस-क्रात्म क्रावह क्रात्वा कित्रिकास कासाई क्यी क्यी सा तसवासी मानमन र्मनिया अक्षा- व्यक्षि हिलास क्षाय क्षेत्रक भवाबादि वामिता न्यूह्म खान्मिक क्यान खाना ह यता क्षिय कार्यात काल लक्ष हरू ह

स्रथमा असमाः वृष्टि ल्यादाव द्वस्य मित्रवले। लगहित्र लाख्यमिल स्थित जाराव स्थाव थका काराव हाकि कारक स्थान वाह्य द्वान समय भावमा व्यानगराहाल स्थात दिए। द्याम इत - लाख लगद्रालणावा विलाव वाशिखंड छाना विलाव लकाल लाइक कार्य कारण कारण क्रियेश्वाहों। बाहु स्मास, यहसाराम राष मारि है लायाय याद छादि शिक्षविव विसहं। विवाय, कास्त्राप्ति वा कारा) विष हमन्त्रमाधिक कार्यक्रमास आरहार क्रान्यायीक भगाव मन्त्र असम्प्र हम्मायालय कार्यायामा (2021

. क्रियाका त्राद्वात्व । क्रियाका क्रियाका क्रियाका क्रियाका त्रावा क्रियाका क्रयाका क्रियाका क्रियाक